website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 359 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार 05 दिसम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

पीएम मोदी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन की मुलाकात पर टिकी दुनिया की नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दो दिवसीय दौरे पर 4 दिसंबर को शाम करीब 7 बजे भारत पहुंच रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति के स्वागत के लिए दिल्ली पूरी तरह तैयार है। अपने इस दौरे के दौरान पुतिन, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। दोनों नेताओं की इस बैठक पर पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हुई हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पुतिन का पहला भारत दौरा

यह रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पुतिन का पहला भारत दौरा है। उम्मीद जताई जा रही है कि युद्ध खत्म करने को लेकर भी दोनों नेताओं के बीच चर्चा हो सकती है। कई कारणों से मोदी-पुतिन बैठक पर अमेरिका, चीन सहित दुनिया के तमाम देशों की पैनी नजर है। एक ओर यूक्रेन युद्ध के कारण अमेरिका और यूरोपीय देश भारत पर रूस के साथ व्यापार कम करने का दबाव बना रहे हैं। ताजा उदाहरण के रूप में ट्रंप प्रशासन की टैरिफ नीति सामने आई है। अमेरिका भारत पर मनमाने टैरिफ लगाकर रूस पर भारत की ऊर्जा निर्भरता को कम करने का प्रयास कर रहा है। हालांकि भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह अपने राष्ट्रीय हित और जनता के हित को सर्वोपरि रखेगा।

भारत और रूस के बीच रक्षा सहयोग लंबे समय से मजबूत रहा है

अमेरिकी दबाव के बावजूद भारत ने वॉशिंगटन के साथ अपने सैन्य समझौते बनाए रखे हैं। वहीं भारत और रूस के बीच रक्षा सहयोग लंबे समय से मजबूत रहा है, जो पश्चिमी देशों के लिए चिंता का विषय है। यूक्रेन युद्ध के बाद ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी रूस का खुलकर विरोध कर रहे

हैं। ऐसे में भारत में होने वाली मोदी-पुतिन मुलाकात से अमेरिका और यूरोपीय देशों की बेचैनी बढ़नी तय मानी जा रही है। यह दौरा संकेत देता है कि भारत अपनी नीतियों पर स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने में सक्षम है और बाहरी दबाव उसके फैसलों को प्रभावित नहीं कर सकते।

अमेरिकी मीडिया में भी मोदी-पुतिन बैठक को लेकर व्यापक चर्चा

उधर, रूस और चीन के घनिष्ठ संबंधों को देखते हुए बीजिंग भी इस मुलाकात पर नजर बनाए हुए है। चीनी और अमेरिकी मीडिया में भी मोदी-पुतिन बैठक को लेकर व्यापक चर्चा हो रही है। कई प्रमुख विश्लेषकों ने बताया कि अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियां इस दौरे के उद्देश्य, संभावित समझौतों और व्हाइट हाउस की प्रतिक्रिया पर विशेष नजर रखेंगी। अमेरिका की पूर्व अधिकारी और सेंटर फॉर न्यू अमेरिकन सिक्योरिटी में इंडो-पैसिफिक सिक्योरिटी प्रोग्राम की डायरेक्टर लीसा कर्टिस ने कहा, "अमेरिका को यह बैठक फायदेमंद नहीं लगेगी, क्योंकि यह ऐसे समय में हो रही है जब राष्ट्रपति पुतिन यूक्रेन के खिलाफ अपनी लड़ाई तेज कर रहे हैं और यूरोप को ड्रोन घुसपैठ व साइबर-अटैक की धमकी दे रहे हैं।"

भारत और रूस के संबंध पारंपरिक रूप से काफी मजबूत

कर्टिस ने हाल ही में टैरिफ के माध्यम से भारत पर बनाए गए अमेरिकी दबाव का उल्लेख करते हुए कहा कि यह मुलाकात वॉशिंगटन के लिए एक कूटनीतिक संदेश है- भारत को परेशान नहीं किया जाएगा और न ही वह किसी दबाव में झुकेगा। नई दिल्ली अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बरकरार रखेगी। उन्होंने अमेरिका को सलाह दी कि वॉशिंगटन को इस दौरे पर अधिक प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए, क्योंकि भारत और रूस के संबंध पारंपरिक रूप से काफी मजबूत रहे हैं।

अमेरिकी विशेषज्ञों की भारत की रूसी तेल खरीद पर भी नजर

ब्रूकिंग्स इंस्टीट्यूशन की विशेषज्ञ तन्वी मदान ने कहा कि वॉशिंगटन विशेष रूप से दो बातों पर नजर रखेगा- पहला, पुतिन को दिए जाने वाले सेरेमोनियल सम्मान का स्तर, और दूसरा, रक्षा व ऊर्जा क्षेत्र में होने वाले किसी अंतिम समझौते का परिणाम। मदान ने यह भी कहा कि अमेरिकी विशेषज्ञ भारत की रूसी तेल खरीद पर भी नजर बनाए रखेंगे। "तेल आयात की स्थिति और उसके ताजा आंकड़ों पर भी नजर रहेगी," उन्होंने कहा।

गृह मंत्री अमित शाह बोले

मोदी सरकार ने 11 वर्षों में सत्ता नहीं, केवल जनसेवा को दी प्राथमिकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में मोदी सरकार का मुख्य उद्देश्य जनता की सेवा

रहा है, न कि सत्ता का आनंद लेना। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं को "प्रधान सेवक" मानते हैं और 24 घंटे, सातों दिन नागरिकों की भलाई के लिए काम करते हैं। शाह ने बताया कि इसी सेवा-भावना को दर्शाते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) के नए परिसर का नाम "सेवा तीर्थ" रखा गया है। यह वही नया भवन है जो केंद्रीय Vista पुनर्विकास परियोजना के तहत लगभग पूरा हो चुका है और जिसे पहले Executive Enclave कहा जाता था। इस आधुनिक परिसर में प्रधानमंत्री कार्यालय के साथ-साथ कैबिनेट सचिवालय, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और प्रतिष्ठित "इंडिया हाउस" भी होगा, जहां भविष्य में वैश्विक नेताओं के साथ उच्च-स्तरीय बैठकें आयोजित की जाएँगी। अमित शाह ने यह भी बताया कि सरकार ने राजभवन और राज निवास जैसे नामों को भी बदलने का निर्णय लिया है। अब इन्हें क्रमशः लोक भवन और लोक निवास के नाम से जाना जाएगा, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि शासन का केंद्र बिंदु जनता है, न कि औपनिवेशिक शैली की सत्ता-संरचनाएं। उन्होंने इसे भारत के विकास की "स्वर्णिम यात्रा" का महत्वपूर्ण पड़ाव बताया और कहा कि यह कदम एक विकसित और श्रेष्ठ भारत के निर्माण की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जहाँ प्रशासन का मूल सिद्धांत सेवा और सुशासन हो।

इंडिगो एयरलाइंस की 1232 फ्लाइट्स रद्द, यात्रियों को भारी परेशानी

नई दिल्ली। इंडिगो एयरलाइंस इस समय गंभीर उड़ान संकट का सामना कर रही है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) ने एयरलाइन को नोटिस जारी किया है और विस्तृत जवाब मांगा है। DGCA के अनुसार, इंडिगो की कुल 1232 फ्लाइट्स रद्द कर दी गई हैं। इनमें से 755 उड़ानें क्रू और फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन के नियमों में बदलाव के कारण रद्द की गई हैं। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर यात्रियों को खासा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई उड़ानें देर से चल रही हैं, जबकि कुछ पूरी तरह रद्द हो चुकी हैं। इस संकट के चलते इंडिगो का ऑन-टाइम परफॉर्मेंस करीब 67 प्रतिशत तक प्रभावित हुआ है। एयरलाइन

ने इस देरी और रद्द उड़ानों के लिए यात्रियों से माफी मांगी है और उनसे आग्रह किया है कि वे अपनी उड़ानों का स्टेटस चेक करें। इंडिगो के अधिकारियों का कहना है कि हालात सामान्य होने में कुछ दिन लग सकते हैं और यात्रियों से समझदारी और धैर्य रखने का अनुरोध किया गया है।

एसआईआर को लेकर अखिलेश यादव का फूटा गुस्सा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एसआईआर की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसे लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर बीजेपी सरकार की अपनी नाकामियों को छुपाने का जरिया है। अखिलेश यादव ने जनता से अपील की कि सभी लोग अपने वोट बनवाएं और कटने से बचाएं, क्योंकि बीजेपी बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा दिए गए संविधानिक अधिकारों को खत्म करने की तैयारी में है।

उन्होंने कहा कि अगर वोट का अधिकार छीना गया तो इसके बाद आरक्षण भी समाप्त कर दिया जाएगा। संविधान से मिलने वाले आम जनता के कई अन्य अधिकार भी खतरे में पड़ जाएंगे।

अखिलेश यादव ने क्या कहा?

अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है कि किसी भी मतदाता का अधिकार न छूटे और बिना वजह किसी का वोट न काटा जाए। लेकिन मौजूदा हालात में इसके उलट काम हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार के दबाव में आकर चुनाव आयोग बड़े पैमाने पर वोट काट रहा है। उन्होंने बिहार का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां एसआईआर के दौरान लाखों लोग मतदान से वंचित हो गए। जब यूपी और पश्चिम बंगाल में इस साल कोई चुनाव नहीं है, तो फिर इतनी जल्दबाजी क्यों दिखाई जा रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी

सरकार जनता को रोटी और रोजगार देने के बजाय झूठे मुकदमों में फंसाकर परेशान कर रही है। कई लोग ऐसे हैं जिन्हें सालों से न्याय तक नहीं मिल पाया है।

संचार साथी ऐप को लेकर क्या बोले अखिलेश यादव?

संचार साथी ऐप को लेकर सपा अध्यक्ष ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि इस ऐप की आखिर जरूरत क्यों पड़ रही है। अगर आज के समय में ऐप के ज़रिए सरकार जासूसी कर रही है तो यह किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने इसे लोगों की प्राइवेसी का सीधा उल्लंघन बताया।

अखिलेश यादव ने तंज कसते हुए कहा कि जिनका इतिहास मुखबिरी और निगरानी का रहा है, वे जासूसी करना कैसे छोड़ सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी सरकार में पहले ही अभिव्यक्ति की आज़ादी छीनी जा चुकी है और अब आम लोगों की निजी जिंदगी पर भी नजर रखने की तैयारी की जा रही है।

'ट्रंप का दबाव बेअसर, मोदी प्रेशर में आने वाले नेता नहीं...', भारत आने से पहले बोले पुतिन

नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत के आधिकारिक दौरे पर आ रहे हैं। इस दौरान भारत और रूस के बीच कई अहम समझौतों पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। भारत पर अमेरिका की ओर से लगाए गए टैरिफ को लेकर पूछे गए सवाल पर पुतिन ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दबाव में आने वाले नेता नहीं हैं। पुतिन का यह बयान उस सवाल के जवाब में आया, जिसमें उनसे पूछा गया था कि क्या अमेरिका टैरिफ के जरिए भारत पर दबाव बना रहा है।

पुतिन ने पीएम मोदी की नेतृत्व क्षमता की सराहना की

इंडिया टुडे को दिए इंटरव्यू में पुतिन से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी के साथ संभावित द्विपक्षीय बातचीत और भारत-रूस संबंधों के भविष्य को लेकर सवाल किए गए। इस पर उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की खुलकर तारीफ की। पुतिन ने कहा कि पूरी दुनिया ने भारत की अडिग और संतुलित नीति देखी है और देश को अपने नेतृत्व पर गर्व होना चाहिए।

उन्होंने यह भी बताया कि भारत और रूस के बीच 90 प्रतिशत से अधिक द्विपक्षीय लेन-देन सफलतापूर्वक पूरे हो चुके हैं, जो दोनों देशों के बीच मजबूत विश्वास को दर्शाता है।

मोदी से मित्रता और आगामी भारत दौरा

रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें अपने मित्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने के लिए भारत यात्रा पर आने में बेहद खुशी हो रही है। उन्होंने बताया कि दोनों नेताओं के बीच यह सहमति बनी है कि अगली अहम बैठक भारत में आयोजित की जाएगी। पुतिन ने संकेत दिए

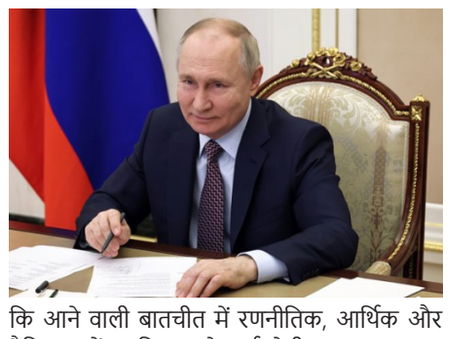

कि आने वाली बातचीत में रणनीतिक, आर्थिक और वैश्विक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा होगी।

भारत-रूस सहयोग और ऐतिहासिक संबंध

पुतिन ने कहा कि भारत और रूस के बीच सहयोग का दायरा बहुत व्यापक है और बातचीत के लिए कई अहम विषय मौजूद हैं। उन्होंने दोनों देशों के बीच विशेष और ऐतिहासिक संबंधों को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत की आज़ादी के बाद हुई प्रगति सराहनीय है। पुतिन के अनुसार, मात्र 77 वर्षों की अवधि में भारत ने जिस तरह का विकास हासिल किया है, वह पूरी दुनिया के लिए प्रेरणादायक है।

भारत-रूस दौरों का रिकॉर्ड

गौरतलब है कि व्लादिमीर पुतिन अब तक भारत के नौ दौरे कर चुके हैं, जिनमें से तीन प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल के दौरान (2016, 2018 और 2021) हुए हैं। दिसंबर में होने वाला यह दौरा पुतिन का दसवां भारत दौरा होगा। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब तक सात बार रूस की यात्रा कर चुके हैं, जो दोनों नेताओं के बीच मजबूत व्यक्तिगत और कूटनीतिक रिश्तों को दर्शाता है।

भारत-रूस संबंधों की सराहना कर इमरान मसूद ने कसा तंज

नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे को लेकर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद का बयान सामने आया है। गुरुवार (4 दिसंबर) को मीडिया से बातचीत में उन्होंने भारत-रूस संबंधों की सराहना की और दोनों देशों को पुराने व भरोसेमंद दोस्त बताया। इस दौरान उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि हम सबके नहीं हो सकते। जो सबके होते हैं, वे आखिर में किसी के नहीं होते। कांग्रेस सांसद ने यह टिप्पणी पुतिन के भारत दौरे के संदर्भ में की है।

कांग्रेस सांसद की प्रतिक्रिया

रूस के राष्ट्रपति पुतिन के भारत दौरे पर कांग्रेस MP इमरान मसूद ने कहा कि रूस भारत का पुराना मित्र है और दोनों देशों के बीच दशकों पुराने संबंध रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन रिश्तों को और मजबूत किए जाने की जरूरत है। इमरान मसूद ने कहा कि हमें उन दोस्तों से लगातार संवाद बनाए रखना चाहिए जो मुश्किल समय में भारत के साथ खड़े रहे। उन्होंने दोहराया कि हम सभी के नहीं हो सकते और जो सबके बनने की

कोशिश करते हैं, वे अंत में किसी के भी नहीं रहते।

पुतिन कब आएंगे भारत?

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के गुरुवार शाम करीब 4:30 बजे दिल्ली पहुंचने की संभावना है। वह दो दिवसीय भारत दौरे पर आ रहे हैं। अपने दौरे के दौरान पुतिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ निजी रात्रिभोज करेंगे, जिसकी मेजबानी पीएम मोदी स्वयं करेंगे। बताया गया है कि पिछले वर्ष जब प्रधानमंत्री मोदी रूस गए थे, तब पुतिन ने भी इसी तरह उनका स्वागत किया था।

पुतिन के दौरे से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को उनका औपचारिक स्वागत किया जाएगा। इसके बाद 23वां भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन आयोजित होगा। प्रधानमंत्री मोदी हैदराबाद हाउस में रूसी राष्ट्रपति और उनके प्रतिनिधिमंडल के लिए दोपहर भोज की मेजबानी करेंगे। इसके अलावा 5 दिसंबर की सुबह पुतिन राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। शिखर वार्ता के बाद पुतिन रूस के सरकारी प्रसारक के भारत चैनल की शुरुआत करेंगे। वहीं, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पुतिन के सम्मान में राजकीय भोज की मेजबानी करेंगी।

भारत का ईवी बाजार 2030 तक 20 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद: गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि भारत का इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार वर्ष 2030 तक करीब 20 लाख करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंच सकता है। इससे देश में लगभग पांच करोड़ नई नौकरियों के सृजन की संभावना है। उन्होंने यह जानकारी गुरुवार को लोकसभा में एक लिखित प्रश्न के उत्तर में दी। गडकरी ने बताया कि वर्तमान समय में देश में कुल 57 लाख इलेक्ट्रिक वाहन पंजीकृत हैं। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान ईवी की बिक्री पेट्रोल और डीजल वाहनों की तुलना में कहीं अधिक तेज रही है। आंकड़ों के अनुसार ईवी कारों की बिक्री में 20.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि पेट्रोल-डीजल कारों की बिक्री केवल 4.2 प्रतिशत बढ़ी। इसी तरह दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में 33 प्रतिशत और तिपहिया ईवी की बिक्री में 18 प्रतिशत का इजाफा हुआ। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रिक दोपहिया बाजार में 400 से अधिक स्टार्टअप सक्रिय हैं और यह क्षेत्र वर्ष 2024 की तुलना में 21 प्रतिशत की दर से बढ़ा है। गडकरी ने इसे नवाचार और रोजगार के लिहाज

से सकारात्मक संकेत बताया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लिथियम-आयन बैटरी की कीमत में भी बड़ी गिरावट आई है। पहले जहां बैटरी की कीमत 150 डॉलर प्रति किलोवॉट-घंटा थी, वह अब घटकर 55 डॉलर प्रति किलोवॉट-घंटा रह गई है। इससे ईवी को किफायती बनाने में मदद मिली है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में करीब 6 मिलियन टन लिथियम भंडार मिलने का भी जिक्र किया, जो वैश्विक भंडार का लगभग 6 प्रतिशत है। गडकरी ने बताया कि सरकार लिथियम-आयन के साथ सोडियम-आयन, एल्युमिनियम-आयन और जिंक-आयन बैटरियों पर भी शोध कर रही है। ऊर्जा भविष्य पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि हाइड्रोजन भारत के लिए "फ्यूचरिस्टिक फ्यूल" है। फिलहाल भारत 22 लाख करोड़ रुपये के जीवाश्म ईंधन का आयात करता है, लेकिन आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत देश भविष्य में ऊर्जा निर्यातक बन सकता है।

नीतीश ने विधानसभा में बिहार के विकास का किया दावा

-पीएम मोदी के सहयोग के लिए किया नमन

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर हुई चर्चा के दौरान एनडीए सरकार की उपलब्धियों का विस्तृत ब्यौरा पेश किया। उन्होंने कहा कि पिछले 20 वर्षों में बिहार ने हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है और राज्य विकास के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ा है। साथ ही मुख्यमंत्री ने भविष्य की योजनाओं की रूपरेखा भी सदन के सामने रखी।

पीएम मोदी के सहयोग के लिए किया नमन

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्र सरकार से मिले सहयोग का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नमन किया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने बिहार के लिए अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। नीतीश कुमार ने सदन में मौजूद सभी सदस्यों से हाथ उठाकर प्रधानमंत्री को नमन करने का आग्रह किया। सत्ता पक्ष के सदस्यों ने ऐसा किया, जबकि विपक्ष शांत बैठा रहा। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा, "हमने बिहार में सबके लिए काम किया है, आपके लिए भी किया है। सभी लोग नमन कीजिए।"

विधानसभा चुनाव में जनता ने दिखाया भरोसा

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि हालिया विधानसभा चुनाव में बिहार की जनता ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और एनडीए को भारी बहुमत से जीत दिलाई। उन्होंने इसे केवल राजनीतिक जीत नहीं, बल्कि विकास, शांति और भाईचारे की जीत बताया। मुख्यमंत्री ने जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह विश्वास सरकार की जिम्मेदारी को और बढ़ाता है।

बिहार के विकास में केंद्र सरकार की बड़ी भूमिका

नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार के विकास में केंद्र सरकार का बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय बजट में बिहार के लिए विशेष आर्थिक सहायता का प्रावधान किया गया है। इस सहायता से सड़क, उद्योग, स्वास्थ्य, पर्यटन और बाढ़ नियंत्रण से जुड़ी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को गति मिलेगी। इसके अलावा बजट में मखाना बोर्ड, एयरपोर्ट की स्थापना और पश्चिमी कोशी नहर परियोजना के लिए भी वित्तीय समर्थन की घोषणा की गई है।

शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि में हुए बड़े सुधार

मुख्यमंत्री ने पिछले 20 वर्षों में शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में किए गए सुधारों का उल्लेख किया। कृषि क्षेत्र पर बात करते हुए उन्होंने बताया कि वर्ष 2008 से कृषि रोड मैप के आधार पर योजनाबद्ध तरीके से काम हो रहा है। इसका परिणाम यह हुआ है कि मछली उत्पादन ढाई गुना से अधिक बढ़ गया है और बिहार इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन चुका है।

महिला रोजगार योजना से करोड़ों महिलाओं को लाभ

नीतीश कुमार ने महिला रोजगार योजना का जिक्र करते हुए बताया कि इसके तहत एक करोड़ 56 लाख महिलाओं को 10-10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी गई है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता रही है और इसका सकारात्मक असर समाज पर साफ दिखाई दे रहा है।

श्रीलंका में आपदा प्रभावित लोगों की मदद के लिए भारत ने उठाया बड़ा कदम, हेल्थकेयर फील्ड हॉस्पिटल बनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका में तूफान दितवाह की वजह से भारी तबाही मची है। ऐसे में भारत अपने पड़ोसी मुल्क की मदद के लिए लगातार साथ खड़ा है। भारत लोगों को हेल्थकेयर सपोर्ट देने के लिए भारत एक फील्ड हॉस्पिटल बना रहा है। श्रीलंका में भारतीय दूतावास ने बुधवार को जानकारी दी है। श्रीलंका में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "भारत श्रीलंका में जरूरी और तेजी से तैनात होने वाला एक फील्ड हॉस्पिटल ला रहा है, जिसमें 70 लोग होंगे। यह आपदा से प्रभावित इलाकों में हेल्थकेयर सपोर्ट देगा। तैनात होने पर ये हॉस्पिटल कैसे दिखेंगे, इसकी स्टॉक तस्वीरें देखें। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ ने डिजास्टर मैनेजमेंट सेंटर (डीएमसी)

के हवाले से बताया कि बुधवार को श्रीलंका में दितवाह की वजह से मरने वालों की संख्या बढ़कर 474 हो गई है। डीएमसी ने बताया कि 356 लोग अभी लापता हैं, जबकि देशभर में 448,817 परिवारों के 1.58 मिलियन से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। 971 घर तबाह हो गए हैं और 40,000 से ज्यादा घरों को थोड़ा नुकसान हुआ है। श्रीलंका के नेशनल बिल्डिंग रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (राष्ट्रीय भवन संगठन) ने सात जिलों में 215 गंभीर लैंडस्लाइड की रिपोर्ट दी है। भूविज्ञानी (जियोलॉजिस्ट) लक्सिरी इंद्रतिसा ने कहा कि बार-बार चेतावनी के बावजूद कुछ लोगों के घर खाली न करने की वजह से ज्यादा मौतें हुईं। सिन्हुआ के अनुसार, श्रीलंका कैबिनेट ने दित्वाह से हुए भारी नुकसान के बाद देश में रिकवरी की कोशिशों में मदद के लिए एक फंड बनाने को मंजूरी दी है। फैसले के मुताबिक, "रीबिल्डिंग श्रीलंका" फंड को राष्ट्रपति भवन सचिवालय के तहत एक कानूनी संस्था के तौर पर बनाया जाएगा। इसकी मैनेजमेंट कमेटी में सीनियर सरकारी अधिकारी और प्राइवेट सेक्टर के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसके अलावा श्रमिक मंत्री और वित्त और प्लानिंग के उपमंत्री अनिल जयंता फर्नांडो को कमेटी का चेयरमैन बनाया गया है। कमेटी को फंड के ऑपरेशन्स को मैनेज करने, रिकवरी की जरूरतों का अंदाजा लगाने, प्रायोरिटी तय करने, रिसोर्स देने और अप्रूव की गई योजनाओं के लिए फंड बांटने का अधिकार होगा। यह मैनेजमेंट और ऑडिटिंग समेत सभी वित्तीय प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करेगी।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

भारत-रूस रक्षा साझेदारी से नई मजबूती की उम्मीद

रूस से भारत को बेहतरीन हथियार मिलने की उम्मीद इसलिए भी प्रबल हो गई है, क्योंकि वैश्विक राजनीति इस समय एक बड़े संक्रमण दौर से गुजर रही है। डोनाल्ड ट्रम्प की आक्रामक और स्वार्थ-प्रधान नीतियों ने दुनिया की बनी-बनाई यथास्थिति को हिलाकर रख दिया है। ऐसे माहौल में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन की लगभग 30 घंटे की भारत यात्रा को केवल द्विपक्षीय दौरा मानना भूल होगी। यह यात्रा वैश्विक संतुलन, क्षेत्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय शक्ति समीकरणों के लिहाज से बेहद अहम साबित हो सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच शुक्रवार को होने वाली वार्ता के प्रत्यक्ष और परोक्ष परिणामों पर केवल अमेरिका और चीन ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान और यूरोपीय देश भी गहरी नजर बनाए हुए हैं। भारत पर अमेरिका ने रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर नाराजगी जताते हुए 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाया है। इसे एक तरह की सजा के रूप में देखा जा रहा है, ताकि भारत पर दबाव बनाया जा सके कि वह रूस से दूरी बनाए। रूस को भी इस बात का पूरा अहसास है कि भारत इस समय पश्चिमी दबावों का सामना कर रहा है। यही वजह है कि मॉस्को ने नई दिल्ली को हरसंभव सहयोग देने का मन बना लिया है। रूस की ओर से साफ संकेत दिए गए हैं कि सुखोई-57 जैसे पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान और एस-400 जैसी अत्याधुनिक वायु रक्षा प्रणालियों के अलावा अन्य बेहतरीन हथियार भारत को उपलब्ध कराए जा सकते हैं। इतना ही नहीं, रूस यह भी प्रस्ताव दे चुका है कि इन हथियारों को भारत में ही बनाने की तकनीकी क्षमता और आवश्यक ज्ञान भी साझा किया जाएगा। यह भारत की 'मेक इन इंडिया' नीति के लिए भी बड़ी उपलब्धि हो सकती है और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक मजबूत कदम माना जाएगा। रूस केवल रक्षा सहयोग तक सीमित नहीं रहना चाहता। अमेरिकी प्रतिबंधों और व्यापारिक रुख के चलते उसे अपने निर्यात के लिए वैकल्पिक बाजारों की तलाश है। इसी संदर्भ में भारत से कृषि उत्पादों और अन्य वस्तुओं के आयात को बढ़ाने का मुद्दा भी रूसी एजेंडे में शामिल है, ताकि अमेरिका द्वारा माल न खरीदे जाने से होने वाले नुकसान की कुछ हद तक भरपाई की जा सके। साफ है कि ऊर्जा के मुद्दे पर भारत और रूस के बीच कोई टकराव की स्थिति नहीं है। न तो रूस पेट्रोलियम उत्पाद लेने के लिए दबाव बनाएगा और न ही भारत अपने राष्ट्रीय हितों के खिलाफ जाकर किसी के दबाव में आएगा। हालांकि भारत की मूल प्राथमिकता साफ है। उसे ऐसे हथियार सिस्टम चाहिए, जो केवल पाकिस्तान ही नहीं, बल्कि चीन के अत्याधुनिक हथियारों का भी प्रभावी मुकाबला कर सकें। इसीलिए भारत की रक्षा रणनीति अब केवल क्षेत्रीय संतुलन तक सीमित नहीं रही है, बल्कि वह दीर्घकालिक सुरक्षा चुनौतियों को ध्यान में रखकर तय की जा रही है।

अमेरिका के दबाव से परे भारत की नई विदेश नीति, पुतिन यात्रा से बहु-ध्रुवीय कूटनीति का स्पष्ट संकेत

-ट्रम्प के टैरिफ झटके के बाद रूस के साथ रिश्तों में नया मोड़, दुनिया की निगाहें भारत पर

समय आ गया है कि भारत अपनी विदेश और व्यापार नीति में सिर्फ अमेरिका-केंद्रित सोच से बाहर निकले और दुनिया के नए नक्शे पर अपनी जगह को नए सिरे से परिभाषित करे। हालिया घटनाक्रम ने यह साफ कर दिया है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति और वैश्विक व्यापार अब भरोसे या नैतिकता से नहीं, बल्कि नंगे राष्ट्रीय हितों से संचालित हो रहे हैं। ऐसे दौर में भारत को अपने हितों की रक्षा के लिए साहसिक फैसले लेने ही होंगे। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नीतियां भले ही उनके समर्थकों को आकर्षक लगती हों, लेकिन भारत के लिए उनका फैसला—भारतीय निर्यात पर 50 प्रतिशत टैरिफ थोपना—खुली आर्थिक चुनौती थी। इसे दोस्ती नहीं, बल्कि दबाव की राजनीति ही कहा जाएगा। लेकिन अक्सर इतिहास गवाह रहा है कि संकट ही नए अवसरों का दरवाज़ा खोलता है। इस गैर-जिम्मेदाराना डिप्लोमेसी ने भारत को यह सोचने का मौका दिया कि क्या वह हमेशा एक–दो बाजारों पर निर्भर रह सकता है, या फिर उसे नए देशों, नए महाद्वीपों और नई साझेदारियों की ओर बढ़ना चाहिए।

संकट से उभरा अवसर

अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी टैरिफ का असर भारत के निर्यात क्षेत्र पर साफ दिखा। कई उद्योगों को झटका लगा, खासकर टेक्सटाइल, इंजीनियरिंग गुड्स और आईटी से जुड़े क्षेत्रों में। लेकिन इसी झटके ने भारत को अपनी कमजोरियों का एहसास कराया। वर्षों से हम यह मानकर चलते आए थे कि अमेरिकी बाजार अंतहीन है और वहां हमारे लिए हमेशा जगह बनी रहेगी। ट्रम्प के फैसले ने इस भ्रम को तोड़ दिया। नतीजा यह हुआ कि निर्यात क्षेत्र में आई सुस्ती से निपटने के लिए भारत ने नए बाजारों की तलाश तेज कर दी। अफ्रीका, पूर्वी यूरोप, लैटिन अमेरिका, मध्य एशिया और खासतौर पर रूस जैसे देशों की ओर फिर से नजर गई। अब भारत

अंतरराष्ट्रीय व्यापार को एकतरफा नहीं, बल्कि बहु-ध्रुवीय दृष्टिकोण से देखने लगा है।

पुतिन की भारत यात्रा: टाइमिंग ही संदेश है

इसी बदले हुए वैश्विक और घरेलू परिदृश्य में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा हो रही है। दो दिन की इस यात्रा पर दुनिया की नजरें टिकी हैं। यह कोई सामान्य राजनयिक यात्रा नहीं है, बल्कि एक गहरे प्रतीकात्मक और रणनीतिक संदेश से भरी हुई मुलाकात है। भारत और रूस के बीच अब तक 22 वार्षिक शिखर सम्मेलन हो चुके हैं। दोनों देशों के रिश्ते लगभग 78 साल पुराने हैं। सोवियत संघ के दौर से लेकर आज के रूस तक, दोनों देशों के संबंध उतार-चढ़ाव के बावजूद भरोसे पर टिके रहे हैं। शीत युद्ध से लेकर आज की बहु-ध्रुवीय दुनिया तक, भारत और रूस ने एक-दूसरे को कठिन समय में कभी पूरी तरह अकेला नहीं छोड़ा। लेकिन यह कहना भी सच है कि बीते तीन दशकों में इन संबंधों की चमक कुछ फीकी पड़ी थी। आर्थिक उदारीकरण के बाद भारत का झुकाव पश्चिम की ओर बढ़ा, जबकि रूस अपने आंतरिक संकटों और फिर यूक्रेन युद्ध जैसी परिस्थितियों में उलझा रहा। अब यही समय है जब दोनों देश अपने रिश्तों को नए सिरे से परिभाषित करना चाहते हैं।

बदला हुआ अंतरराष्ट्रीय माहौल

पुतिन की इस यात्रा की टाइमिंग इसलिए भी खास है क्योंकि यूक्रेन युद्ध के कारण रूस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव में है। इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (ICC) ने यूक्रेन युद्ध से जुड़े कथित वॉर क्राइम्स को लेकर पुतिन के खिलाफ वारंट जारी कर रखा है। इसी वजह से हाल के दिनों में पुतिन ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों की यात्रा नहीं कर सके। ऐसे में भारत का यह फैसला कि वह पुतिन का गर्मजोशी से स्वागत करेगा, अमेरिका और यूरोप को खटक रहा है। यही कारण है कि नई दिल्ली में जर्मनी, ब्रिटेन और फ्रांस के राजदूतों ने एक साथ कॉलम लिखकर यह याद दिलाने की कोशिश की कि रूस किस तरह यूक्रेन को तबाह कर रहा है और शांति की परवाह नहीं कर रहा। यह कॉलम दरअसल कूटनीति से ज्यादा दबाव की राजनीति का हिस्सा है। पश्चिमी देश चाहते हैं कि भारत भी उनकी लाइन पर चले, रूस से दूरी बनाए और अमेरिका-यूरोप खेमे का हिस्सा बने। लेकिन भारत की विदेश नीति का मूल स्वभाव हमेशा से रणनीतिक स्वायत्तता रहा है—और यही बात इस मुलाकात में फिर से उभरकर सामने आएगी।

मोदी का संदेश: भारत किसी के दबाव में नहीं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर लंबे समय से यह साफ करते आए हैं कि भारत किसी भी देश के दबाव में अपनी विदेश नीति नहीं बदलेगा। भारत अपने फैसले अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर लेगा, न कि किसी और की पसंद या नापसंद के आधार पर। पुतिन की इस यात्रा के दौरान मोदी को अपने आलोचकों को जवाब देने का बेहतरीन मौका मिलेगा। यह संदेश साफ होगा कि भारत न तो अमेरिका का जूनियर पार्टनर है और न ही किसी गुट का पिछलग्गू। भारत दोस्ती करता है, लेकिन गुलामी नहीं।

अगले दो दिनों में होने वाली वार्ताएं अमेरिका और यूरोप को यह समझा देंगी कि दुनिया अब एकध्रुवीय नहीं रही। भारत, चीन और रूस जैसे देश अपनी स्वतंत्र भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं।

रक्षा और परमाणु ऊर्जा: भरोसे की नींव

भारत और रूस के संबंधों की सबसे मजबूत कड़ी हमेशा रक्षा सहयोग रहा है। भारत की सेनाओं में इस्तेमाल होने वाले हथियारों का बड़ा हिस्सा आज भी रूसी मूल का है। सुखोई लड़ाकू विमान, टी-90 टैंक, ब्रह्मोस मिसाइल—ये सब भारत-रूस सैन्य साझेदारी की मिसाल हैं। इसके अलावा, परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में रूस ने भारत की खुलकर मदद की है। तमिलनाडु का कुडनकुलम न्यूक्लियर पावर प्लांट इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। यह भारत का सबसे बड़ा परमाणु ऊर्जा संयंत्र है, जिसे रूसी सहयोग से ही तैयार किया गया। अब जब भारत अपने परमाणु ऊर्जा नियमों में ढील देने पर विचार कर रहा है, तो इस क्षेत्र में रूसी निवेश और तकनीकी सहयोग के बढ़ने की पूरी संभावना है। अंतरिक्ष के क्षेत्र में भी दोनों देशों की साझेदारी मजबूत रही है। भारत के कई शुरुआती अंतरिक्ष कार्यक्रमों में सोवियत संघ और बाद में रूस की अहम भूमिका रही है। अब स्पेस टेक्नोलॉजी के नए दौर में यह सहयोग फिर से गति पकड़ सकता है।

व्यापार: कमजोर कड़ी, लेकिन अपार संभावना

हालांकि रक्षा और रणनीतिक मामलों में रिश्ते मजबूत रहे हैं, लेकिन व्यापार के मोर्चे पर भारत और रूस का रिश्ता हमेशा अपेक्षा से कमजोर रहा है। वर्ष 2023-24 के आंकड़ों के मुताबिक भारत से रूस को होने वाला निर्यात सिर्फ 4.26 अरब डॉलर का है। इसकी तुलना में भारत का अमेरिका को निर्यात लगभग 100 अरब डॉलर के आसपास पहुंच चुका है। यह अंतर अपने आप में सवाल खड़ा करता है। रूस जैसे विशाल देश में ऊर्जा, फार्मा, टेक्नोलॉजी, कृषि उत्पादों और मैन्युफैक्चरिंग के लिए भारत के पास अपार संभावनाएं हैं। अब भारत रूसी बाजार तक गहरी पहुंच बनाना चाहता है और वहां अपने उत्पादों की मौजूदगी बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रहा है। इसके लिए लॉजिस्टिक्स, भुगतान व्यवस्था और व्यापार से जुड़े नियमों में कई बदलावों की जरूरत है। माना जा रहा है कि पुतिन की इस यात्रा में इन मुद्दों पर ठोस बातचीत होगी और कुछ बड़े समझौतों का रास्ता साफ हो सकता है।

इंडिया-रूस मोबिलिटी एग्रीमेंट: मानव केंद्रित कूटनीति

इस यात्रा का सबसे अहम पहलू इंडिया-रूस मोबिलिटी एग्रीमेंट माना जा रहा है। यह सिर्फ व्यापार या राजनीति का नहीं, बल्कि आम भारतीयों के भविष्य का सवाल है। डोनाल्ड ट्रम्प की नीतियों ने यह साफ कर दिया था कि अमेरिका में आप्रवासन नीति कितनी सख्त और अनिश्चित हो सकती है। भारतीय मूल के लोगों को वहां अक्सर निशाना बनाया गया। इसके बावजूद भारत ने विचलित हुए बिना वैध आप्रवासन के मुद्दे को गंभीरता से उठाया है। भारत चाहता है कि उसके शिक्षित युवाओं, तकनीकी विशेषज्ञों और श्रमिकों के अधिकारों की विदेशों में रक्षा हो।

दुनिया में सत्ता-विरोध और भारत में सत्ता-समर्थन: बदलते लोकतंत्र में मतदाता कब सरकारें बदलता है और कब दोहराता है

-वैश्विक चुनावी रुझान, भारतीय अपवाद और प्रो व एंटी इन्कम्बेंसी के पीछे काम करता मतदाता मनोविज्ञान

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताक़त मतदाता होता है। चुनाव केवल सरकार चुनने की प्रक्रिया नहीं होते, बल्कि वे जनता की संतुष्टि, नाराज़गी, उम्मीद और निराशा का सामूहिक बयान भी होते हैं। हाल के वर्षों में दुनिया के कई बड़े लोकतांत्रिक देशों में मतदाताओं ने ज़ोरदार सत्ता-विरोधी (एंटी-इन्कम्बेंसी) रुख दिखाया है। वहीं, इसी कालखंड में भारत के कई राज्यों में इसके उलट सत्ता-समर्थन (प्रो-इन्कम्बेंसी) का रुझान देखने को मिला है। यह विरोधाभास अपने आप में बताता है कि मतदाताओं का व्यवहार एक-सा, स्थिर या पूर्वानुमेय नहीं होता। सवाल यह है कि मतदाता कब सरकारों से नाराज़ होते हैं और कब उन्हें दोबारा मौका देते हैं?

वैश्विक परिदृश्य: सत्ता के खिलाफ स्पष्ट जनादेश

बीते कुछ वर्षों में अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, दक्षिण अफ्रीका और सेनेगल जैसे देशों के चुनाव नतीजों ने सत्ता-विरोधी रुझान को उजागर किया है। इन देशों में मतदाताओं ने इशारों-इशारों में नहीं, बल्कि स्पष्ट रूप से सत्ताधारी दलों को सबक सिखाया। अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी को अपेक्षित समर्थन नहीं मिला। महंगाई, बेरोज़गारी, अप्रवासन और वैश्विक मुद्दों पर अनिर्णय के कारण नागरिकों में असंतोष गहरा हुआ। ब्रिटेन में कंज़र्वेटिव पार्टी, जो लंबे समय से सत्ता में थी, जनता का भरोसा बनाए रखने में विफल रही। ब्रेक्ज़िट के बाद की आर्थिक चुनौतियां, महंगाई और सार्वजनिक सेवाओं की बदहाली ने मतदाताओं को सत्ता से दूर कर दिया। जापान में लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी जैसी मजबूत और पारंपरिक पार्टी को भी झटका लगा। दक्षिण अफ्रीका में अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस, जिसे रंगभेद विरोधी संघर्ष की विरासत का लाभ मिलता रहा, भ्रष्टाचार, बेरोज़गारी और आर्थिक ठहराव के चलते मतदाताओं के गुस्से का शिकार हुई। सेनेगल में युवाओं का आक्रोश खुलकर सामने आया, जहां राजनीतिक कुलीन वर्ग के खिलाफ़ पीढ़ीगत बदलाव की तेज़ लहर दिखाई दी। इन सभी देशों में एक साझा तत्व दिखाई देता है—सरकारों की सुस्ती, जनसमस्याओं पर धीमी प्रतिक्रिया और भविष्य को लेकर भरोसे की कमी। मतदाताओं ने चुनावों को सिस्टम को झकझोरने और सत्ता में विकल्प लाने के औज़ार के रूप में इस्तेमाल किया।

भारतीय विरोधाभास: सत्ता में वापसी का सिलसिला

जहां वैश्विक लोकतंत्रों में सत्ता-विरोधी रुझान मज़बूत दिखा, वहीं भारत के कई राज्यों में तस्वीर उलटी रही। बिहार, हरियाणा, मध्यप्रदेश और गुजरात जैसे राज्यों में सत्ताधारी दलों ने या तो वापसी की या अपनी स्थिति मज़बूत बनाए रखी। गुजरात में भाजपा ने लगातार सातवीं बार जीत दर्ज कर इतिहास रचा। मध्यप्रदेश और हरियाणा में भी सरकारों की वापसी इस बात का संकेत बनी कि वहां मतदाताओं ने नाराज़गी के बावजूद स्थिरता को तरजीह दी। बिहार में नीतीश कुमार की रिकॉर्ड दसवीं बार सत्ता में वापसी इस प्रवृत्ति का सबसे मजबूत उदाहरण है। यह सवाल स्वाभाविक है कि जब दुनिया के मतदाता सरकारों से हिसाब मांग रहे थे, तब भारत के कई राज्यों में जनता ने क्यों सत्ता को दोबारा चुना?

नैरेटिव की राजनीति: कैसे निष्प्रभावी हुई एंटी-इन्कम्बेंसी

भारतीय राजनीति में चुनाव केवल प्रदर्शन का मूल्यांकन नहीं होते, बल्कि वे उस कहानी का भी परिणाम होते हैं, जो जनता को सुनाई जाती है। सत्ताधारी दलों ने प्रचार के दौरान कुछ असरदार नैरेटिव गढ़े— स्थायित्व और निरंतरता डबल इंजन की सरकार, विकास और बुनियादी ढांचे का विस्तार, कल्याणकारी योजनाओं की सीधी पहुंच, मजबूत और निर्णायक नेतृत्व इन मुद्दों ने कई जगहों पर सत्ता-विरोधी भावनाओं को दबा दिया। मतदाता यह मानने लगे कि सरकारों को बदलने से अनिश्चितता बढ़ सकती है, जबकि मौजूदा व्यवस्था में कमियों के बावजूद एक परिचित स्थिरता मौजूद है।

विपक्ष की सीमाएं और विखंडन

इसके विपरीत, कई राज्यों में विपक्ष सत्ता-विरोधी माहौल का पूरा लाभ उठाने में नाकाम रहा। कहीं नेतृत्व का संकट रहा, तो कहीं साझा एजेंडा का अभाव। कई बार तीखा प्रचार हुआ, लेकिन वह मतदाताओं को विश्वसनीय विकल्प देने में सफल नहीं हो पाया। 2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव इसका अच्छा उदाहरण हैं। भाजपा ने वहां ज़ोरदार चुनौती दी, लेकिन ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने सत्ता में वापसी की। यह दिखाता है कि बहुध्रुवीय मुकाबलों में मतदाता केवल नाराज़गी के आधार पर वोट नहीं करता, बल्कि वह यह भी देखता है कि क्या विकल्प उससे बेहतर है या नहीं।

भारतीय चुनावी इतिहास: प्रो-इन्कम्बेंसी और एंटी-इन्कम्बेंसी का चक्र

भारत के चुनावी इतिहास पर नज़र डालें तो साफ़ दिखता है कि सत्ता-समर्थन और सत्ता-विरोध कोई स्थायी स्थिति नहीं, बल्कि समय-समय पर बदलने वाला चक्र है। 1952 से 1966 के शुरुआती वर्षों को प्रो-इन्कम्बेंसी का दौर कहा जा सकता है। इस अवधि में हुए 39 विधानसभा चुनावों में लगभग 85 प्रतिशत सरकारें दोबारा चुनी गईं। आज़ादी के बाद राष्ट्र निर्माण की भावना, कांग्रेस का प्रभुत्व और नेतृत्व पर भरोसा इसके प्रमुख कारण थे। 1967 से 1979 के बीच स्थिति बदली। इस दौर में हुए 82 चुनावों में केवल 54 प्रतिशत सरकारें ही दोबारा चुनी गईं, जबकि 46 प्रतिशत को सत्ता से बाहर होना पड़ा। यह वह समय था जब क्षेत्रीय दल मजबूत होने लगे और केंद्र तथा राज्यों की सरकारों के प्रति सवाल बढ़े। 1980 से 1988 का दौर भी लगभग संतुलित रहा—53 चुनावों में 51 प्रतिशत सरकारें लौटीं, जबकि 49 प्रतिशत हारीं। यह अस्थिरता और बदलाव का संकेत था। लेकिन 1989 से 1998 के बीच देश में तेज़ सत्ता-विरोधी लहर चली। इस अवधि के 63 विधानसभा चुनावों में 71 प्रतिशत सरकारों को जनता ने बाहर का रास्ता दिखा दिया। भ्रष्टाचार के आरोप, गठबंधन राजनीति की उठा-पटक और आर्थिक चुनौतियों ने मतदाताओं को बेचैन किया। 1999 से 2003 के बीच भी यही रुझान जारी रहा। 31 चुनावों में से 61 प्रतिशत सरकारें वापसी नहीं कर पाईं।

सात दशकों बाद भारत में चीते की वापसी, कूनो में जन्मे शावकों ने संरक्षण प्रयासों को दिलाई ऐतिहासिक सफलता

-अंतरराष्ट्रीय चीता दिवस पर प्रोजेक्ट चीता ने दिखाया भारत में आत्मनिर्भर वन्यजीव भविष्य का भरोसा

वर्ष 2025 के अंत तक भारत में चीतों की संख्या 32 तक पहुंच जाना, और उनमें से 21 शावकों का यहीं भारतीय धरती पर जन्म लेना—यह खबर मात्र एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह भारत के वन्यजीव संरक्षण इतिहास की सबसे बड़ी उपलब्धियों में शामिल हो चुकी है। जब आज हम अंतरराष्ट्रीय चीता दिवस (4 दिसम्बर) मना रहे हैं, उसी समय मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान से आई यह सुखद सूचना पूरे देश को आश्वस्त करती है कि चीता पुनर्वास कार्यक्रम सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। भारतीय जमीन पर जन्म लेने वाली पहली चीता मुखी द्वारा पांच स्वस्थ शावकों को जन्म देना महज एक जैविक घटना नहीं, बल्कि उस लंबे संघर्ष और धैर्य का परिणाम है, जो सात दशकों तक चला। यह घटना उस खालीपन को भरती है, जो 1952 में भारत से चीते के औपचारिक रूप से विलुप्त घोषित होने के बाद बना था। आज यह विश्वास दृढ़ होता दिख रहा है कि सुनियोजित संरक्षण, वैज्ञानिक प्रबंधन और निरंतर निगरानी के बल पर भारत में एक आत्मनिर्भर और आनुवंशिक रूप से सक्षम चीता आबादी तैयार की जा सकती है।

भारतीय इतिहास में चीता: रफ्तार का शहंशाह

कभी चीता भारतीय उपमहाद्वीप के विस्तृत भूभाग में पाया जाता था। राजस्थान की घासभूमि, मध्य भारत के खुले वन, दक्कन का पठार और उत्तर भारत के शुष्क इलाके—ये सभी चीते के प्राकृतिक आवास थे। मुगलकालीन चित्रों और साहित्य से पता चलता है कि चीते न सिर्फ जंगलों में, बल्कि राजदरबारों की संस्कृति का भी हिस्सा थे। शिकार के लिए प्रशिक्षित चीतों का इस्तेमाल किया जाता था, जिससे उनकी संख्या पहले ही दबाव में आने लगी थी। इसके बाद ब्रिटिश काल में बड़े पैमाने पर शिकार, जंगलों की अंधाधुंध कटाई और घासभूमि को खेती व बस्तियों में बदलने की प्रक्रिया ने चीते के अस्तित्व पर अंतिम प्रहार किया। शिकार प्रजातियों का खत्म होना और इंसानी दखल बढ़ना इसकी सबसे बड़ी वजह बने। नतीजा यह हुआ कि 20वीं सदी के मध्य तक चीता भारत से लगभग गायब हो गया और 1952 में इसे आधिकारिक तौर पर विलुप्त घोषित कर दिया गया।

विलुप्ति से वापसी तक का सफर

चीते के विलुप्त होने के बाद भी समय-समय पर इसके पुनर्वास की कोशिशें होती रहीं। 1970 और 80 के दशक में ईरान से चीते लाने के प्रयास किए गए, लेकिन राजनीतिक परिस्थितियों और तकनीकी सीमाओं के चलते वे सफल नहीं हो सके। इसके बावजूद वैज्ञानिकों और वन्यजीव संरक्षण विशेषज्ञों का यह विश्वास बना रहा कि भारत का पारिस्थितिकी तंत्र अब भी चीते को अपनाने की क्षमता रखता है। इसी सोच के चलते 21वीं सदी में एक बार फिर गंभीर प्रयास शुरू हुए। लंबा अध्ययन, वैज्ञानिक रिपोर्ट, सुप्रीम कोर्ट की अनुमति और अंतरराष्ट्रीय सहयोग—इन सभी के बाद 2022 में प्रोजेक्ट चीता अस्तित्व में आया। यह न सिर्फ भारत, बल्कि दुनिया का पहला इंटरकॉन्टिनेंटल वाइल्ड-टु-वाइल्ड ट्रांसलोकेशन मिशन बना।

प्रोजेक्ट चीता: एक साहसिक पहल

17 सितम्बर 2022 को नामीबिया से लाए गए आठ अफ्रीकी चीतों—पांच मादा और तीन नर—को मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में छोड़ा गया। यह दिन भारतीय वन्यजीव संरक्षण के इतिहास में मील का पत्थर साबित हुआ। इसके बाद फरवरी 2023 में दक्षिण अफ्रीका से 12 और चीतों को भारत लाया गया, जिससे चीता आबादी की नींव और मजबूत हुई। प्रोजेक्ट चीता का उद्देश्य केवल चीते को वापस लाना भर नहीं था, बल्कि एक ऐसा इको सिस्टम खड़ा करना था, जिसमें घासभूमि, खुले वन, शिकार प्रजातियां और स्थानीय समुदाय—सब मिलकर संतुलन में रहें। यह परियोजना इस सोच पर आधारित थी कि शीर्ष शिकारी (Apex Predator) के रूप में चीता की मौजूदगी पूरे पारिस्थितिक तंत्र को स्वस्थ बनाती है।

कूनो: नई उम्मीदों की धरती

मध्य प्रदेश का कूनो राष्ट्रीय उद्यान इस ऐतिहासिक प्रयोग का केंद्र बना। यहां का भौगोलिक स्वरूप, घासभूमि का फैलाव और हिरन, चीतल, सांभर जैसी शिकार प्रजातियों की उपलब्धता चीते के लिए अनुकूल मानी गई। शुरुआती दौर में चुनौतियां भी सामने आईं—कुछ चीतों की मृत्यु, स्थानांतरण का तनाव और व्यवहार संबंधी समस्याएं—but हर चुनौती से सीख लेते हुए प्रबंधन व्यवस्था को और बेहतर बनाया गया। रेडियो कॉलर, ड्रोन निगरानी, विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम और 24 घंटे की मॉनिटरिंग—इन सबने मिलकर चीता पुनर्वास को मजबूती दी। समय के साथ चीते कूनो के वातावरण में घुलने-मिलने लगे और अब स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप अपने व्यवहार को ढाल चुके हैं।

भारतीय धरती पर जन्म: एक ऐतिहासिक क्षण

कूनो में पहली बार चीता मुखी द्वारा पांच शावकों का जन्म इस परियोजना की सबसे बड़ी सफलता मानी जा रही है। यह प्रमाण है कि चीते न सिर्फ जीवित रह पा रहे हैं, बल्कि सुरक्षित माहौल में प्रजनन भी कर रहे हैं। यही किसी भी पुनर्वास कार्यक्रम की असली कसौटी होती है। इन शावकों का जन्म यह संदेश देता है कि भारत में चीते के लिए भविष्य है। अब यह सिर्फ बाहर से लाए गए जानवरों की कहानी नहीं रही, बल्कि यह एक स्वदेशी पीढ़ी की शुरुआत है। 2025 तक 21 शावकों का जन्म यह दिखाता है कि चीता आबादी आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रही है।

पारिस्थितिकी तंत्र में चीते की भूमिका

चीता केवल एक खूबसूरत और तेज़ जानवर नहीं है, बल्कि वह पर्यावरण संतुलन का अहम स्तंभ भी है। यह मध्यम आकार के शाकाहारी जीवों की संख्या को नियंत्रित करता है, जिससे घासभूमि और वनस्पति पर अत्यधिक दबाव नहीं पड़ता। परिणामस्वरूप पूरा इको सिस्टम अधिक संतुलित और स्वस्थ बनता है। घासभूमि संरक्षण अपने-आप में एक बड़ा मुद्दा है, जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है।

चिकित्सा मंत्री ने की चिकित्सा शिक्षा विभाग की समीक्षा

-मेडिकल कॉलेज एवं संबद्ध अस्पतालों पर रहेगी कड़ी नजर

-प्रधानाचार्यों एवं अधीक्षकों की परफोरमेंस का होगा नियमित आकलन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों से संबद्ध अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन पर अब कड़ी नजर रहेगी। सभी मेडिकल कॉलेजों के प्रधानाचार्य एवं संबद्ध अस्पतालों के अधीक्षकों के कामकाज का नियमित रूप से आकलन किया जाएगा। मानकों में खरा नहीं उतरने तथा स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी तरह की खामी सामने आने पर सीधे तौर उन्हें उत्तरदायी माना जाएगा और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने गुरूवार को स्वास्थ्य भवन में चिकित्सा शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में इस संबंध में स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनस्वास्थ्य आमजन के जीवन से जुड़ा सबसे संवेदनशील विषय है, इसमें किसी भी स्तर पर कोताही की कोई गुंजाइश नहीं है। सभी चिकित्सा अधिकारी अपना कार्य पूरी संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ करें, अन्यथा नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मानव संसाधन की कमी हो तो तुरंत बताएं, लेकिन स्वास्थ्य सेवाएं बाधित नहीं हो

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि किसी भी अस्पताल में चिकित्सक, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ की कमी के कारण कोई भी स्वास्थ्य सेवा प्रभावित हो रही है, तो तत्काल प्रभाव से इस संबंध में अवगत कराएं, लेकिन ऐसी स्थिति नहीं आनी चाहिए कि मानव संसाधन के अभाव में स्वास्थ्य सेवाएं बंद रहें। उन्होंने इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था भी तुरंत किए जाने के निर्देश दिए।

रख-रखाव एवं प्रबंधन के मानकों से नहीं हो कोई समझौता

खींवसर ने कहा कि अस्पतालों में पार्किंग, सुरक्षा और साफ-सफाई की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि साफ-सफाई उच्च स्तरीय हो, इसके लिए नई सोच के साथ काम किया जाए। साथ ही, अस्पतालों में सुरक्षा पर विशेष फोकस रहे। इसके लिए आवश्यकतानुसार सुरक्षा एजेंसियों से सहयोग एवं सेवाएं ली जाएं। उन्होंने कहा कि अस्पताल के रख-रखाव एवं प्रबंधन के मानकों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं हो।

रोगियों एवं परिजनों के लिए खान-पान एवं ठहरने की हो समुचित व्यवस्था

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि बड़े अस्पतालों में स्थानीय निवासियों के साथ ही प्रदेश के सुदूर क्षेत्रों से रोगी आते हैं। ऐसे में उनके खान-पान, ठहरने आदि की समुचित व्यवस्था होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में ही रोगियों एवं उनके परिजनों को वाजिब दरों पर क्वालिटी फूड मिले, इसके लिए फूड कोर्ट की स्थापना आवश्यक रूप से की जाए। सभी अस्पतालों में जल्द ही इसके लिए स्थान चिन्हित कर जल्द प्रक्रिया शुरू की जाए।

जल्द ही मिशन मोड में होंगे निरीक्षण

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं के सुचारू संचालन के लिए समय-समय पर निरीक्षण किए जाते हैं। आने वाले समय में मिशन मोड में अस्पतालों का निरीक्षण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन कर स्वास्थ्य सेवाओं में राजस्थान को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं।

बड़े अस्पतालों में अनावश्यक रेफरल नहीं हो

चिकित्सा शिक्षा सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने कहा कि मेडिकल कॉलेज से संबद्ध अस्पताल यह सुनिश्चित करें कि अनावश्यक रूप से रेफरल नहीं हो। कई बार देखा जाता है कि कई अस्पताल सामान्य बीमारियों या जटिलता नहीं होने के बावजूद रोगियों को एसएमएस अस्पताल, जेके लोन, महिला अस्पताल या अन्य बड़े अस्पतालों में रेफर कर देते हैं, इससे कुछ अस्पतालों पर मरीज भार बढ़ता है और कुछ अस्पतालों में उपलब्ध सुविधाओं को पूरा उपयोग नहीं हो पाता। उन्होंने सख्त हिदायत दी कि अस्पतालों में उपलब्ध सुविधाओं का अधिकतम उपयोग हो।

फॉरएवर मिस इंडिया में डिजाइनर होंगे आरिफ खान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर आरिफ खान फॉरएवर मिस इंडिया ब्यूटी पेजेन्ट में डिजाइनर के तौर पर शामिल होंगे। मिस इंडिया कार्यक्रम 19 से 21 दिसम्बर तक जयपुर स्थित जी स्टूडियो में आयोजित होगा जहाँ फॉरएवर मिस यूनिवर्स, मिसेज इंडिया और मिस टीन इंडिया विजेताओं की क्राउन सेरेमनी भी होगी। कई बड़ी हस्तियों के कपड़े डिजाइन करने के साथ-साथ आरिफ देश-विदेश में आयोजित कई बड़े फैशन शो और ब्यूटी पेजेन्ट में भी शिरकत कर चुके हैं। फॉरएवर स्टार इंडिया के संस्थापक राजेश अग्रवाल और डायरेक्टर जया चौहान ने बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय फैशन कोरियोग्राफर शाय लोबो मिस इंडिया इवेन्ट की कोरियोग्राफी और निर्देशन करेंगे। शाय लोबो फैशन जगत का एक जाना-माना नाम हैं जिन्होंने शाहरुख खान, आलिया भट्ट और जैकलीन फर्नांडीज जैसे कई बॉलीवुड सितारों के साथ काम किया है।

सेंट सोल्जर कॉलेज में रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के भगवान दास मार्ग, सी-स्कीम में स्थित सेंट सोल्जर पीजी कॉलेज फॉर गर्ल्स में मंगलवार 2 दिसंबर 2025 को एक रक्तदान शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं, शिक्षकों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह शिविर एचडीएफसी बैंक और नवजीवन ब्लड बैंक के सहयोग से स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने और इसके जीवन रक्षक महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। शिविर में रक्तदान करने वालों को पुष्प व शॉल उड़ाकर उनका स्वागत भी किया गया।

कोशिकीय एवं आणविक जीवविज्ञान की भविष्य दिशा भारतीय ज्ञान परंपरा के समन्वय से विकसित हो - राज्यपाल

-पौधों में चेतना और संवेदनाओं को वैज्ञानिक दृष्टि से समझने पर राज्यपाल का जोर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने कहा कि आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान तभी पूर्णता प्राप्त करेगा जब वह भारतीय ज्ञान परम्परा और प्राचीन वैज्ञानिक अवधारणाओं के साथ समन्वित रूप से आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि कोशिकीय एवं आणविक जीवविज्ञान के क्षेत्र में प्राचीन भारतीय वैज्ञानिक दृष्टि और आधुनिक शोध की सम्मिलित दिशा नवाचार तथा मानव कल्याण के नए आयाम प्रस्तुत कर सकती है। बागडे गुरुवार को मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर, जोधपुर में जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के वनस्पति विज्ञान विभाग (यूजीसी-सीएस) द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी "Recent Innovations in Cellular and Molecular Biology: Emerging Insights and Applications" को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल बागडे ने कहा कि पेड़-पौधे संवेदनशील जीव हैं, वे ताप,आर्द्रता, प्रकाश, रोग तथा पर्यावरणीय परिस्थितियों के प्रति प्रतिक्रिया करते हैं। उन्होंने कहा कि पौधों में जीवन, चेतना और संवेदनाएँ विद्यमान होती हैं, तथा वे विभिन्न परिस्थितियों के अनुरूप वैज्ञानिक ढंग से कार्य करते हैं। उदाहरण प्रस्तुत करते हुए उन्होंने कहा कि वृक्ष अपनी जड़ों द्वारा

जल ग्रहण करते हैं और रोग होने पर जड़ों में औषधि के प्रयोग से उपचार संभव होता है, जो उनकी संवेदनात्मक एवं जीववैज्ञानिक संरचना का स्पष्ट संकेत है। राज्यपाल ने वैदिक काल से भारत में वनस्पति विज्ञान की उन्नत परंपरा का उल्लेख करते हुए महर्षि पाराशर के 'वृक्ष आयुर्वेद' का संदर्भ दिया। उन्होंने कहा कि प्रोटोप्लाज्म, कोशिका झिल्ली तथा ऊर्जा निर्माण के तत्वों का वर्णन प्राचीन भारतीय ग्रंथों में मिलता है, जिनकी वैज्ञानिक पुष्टि सैकड़ों वर्ष बाद आधुनिक विज्ञान ने की। यह भारतीय वैज्ञानिक विरासत के गहन अध्ययन की आवश्यकता को सिद्ध करता है। राज्यपाल ने कहा कि डीएनए, आरएनए, प्रोटीन संरचना एवं आणविक तकनीकों के वर्तमान शोध में भारतीय पारंपरिक वनस्पति व्याख्या उपयोगी आधार प्रदान कर सकती है। उन्होंने वैज्ञानिक समुदाय से आग्रह किया कि वे भारतीय ज्ञान परम्परा और आधुनिक तकनीक के समन्वित अध्ययन के लिए अनुसंधान-आधारित शैक्षणिक ढांचा विकसित करें। उन्होंने प्रस्ताव रखा कि विश्वविद्यालय के पादप विज्ञान विभाग में प्राचीन वनस्पति शोध और आधुनिक आणविक अध्ययन का एकीकृत शोध कार्यक्रम प्रारंभ किया जाए। राज्यपाल ने पर्यावरणीय परिवर्तन, ऊर्जा संकट और जैविक विविधता संरक्षण की चुनौतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन समस्याओं के समाधान में कोशिकीय एवं आणविक जीवविज्ञान का महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। उन्होंने वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं से आग्रह किया कि वे भविष्यगत आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए शोध के मूल्यों को समाजहित और प्रकृति संरक्षण के साथ जोड़ें।

नगर निगम जयपुर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्रवाई

-39 हजार 900 रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 10 केन्टर सामान जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में गुरूवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में एनआर मार्ट के सामने खातीपुरा रोड़, झोटवाड़ा पुलिया, शनि मंदिर के सामने, वैशाली नगर, आम्रपाली सर्किल नर्सरी पार्क के पास से, एसएमएस ट्रोमा सेन्टर मालवीय नगर जीटी जेएलएन मार्ग, बड़ी चौपड़, रामगंज बाजार, रामगंज चौपड़, घोड़ा निकास रोड, रामगंज मार्ग, झारखंड मोड़, मोती कटला बाजार रोड, बड़ी चौपड, जोरावर सिंह गेट, ब्रह्मपुरी रोड, सांगानेरी गेट, जलमहल कच्चा रास्ता, पुरानी कोतवाली, सूरजपोल, रामगढ़ मोड़, नाहरगढ़, मानसागर, दिल्ली बाईपास, मीरशाह के पास, खोले के हनुमान जी। गलता गेट, बांके बिहारी, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, चांदपोल बाजार, जौहरी बाजार आदि स्थलों से

अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 39 हजार 900 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 10 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में एनआर मार्ट के सामने खातीपुरा रोड़, झोटवाड़ा पुलिया, शनि मंदिर के सामने, वैशाली नगर, आम्रपाली सर्किल नर्सरी पार्क के पास से, एसएमएस ट्रोमा सेन्टर मालवीय नगर जीटी जेएलएन मार्ग, बड़ी चौपड़, रामगंज बाजार, रामगंज चौपड़, घोड़ा निकास रोड, रामगंज मार्ग, झारखंड मोड़, मोती कटला बाजार रोड, बड़ी चौपड, जोरावर सिंह गेट, ब्रह्मपुरी रोड, सांगानेरी गेट, जलमहल कच्चा रास्ता, पुरानी कोतवाली, सूरजपोल, रामगढ़ मोड़, नाहरगढ़, मानसागर, दिल्ली बाईपास, मीरशाह के पास, खोले के हनुमान जी। गलता गेट, बांके बिहारी, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, चांदपोल बाजार, जौहरी बाजार आदि स्थलों से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 10 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 39 हजार 900 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

वाहिद नकवी अध्यक्ष, मोहम्मद असलम खान महासचिव निर्वाचित

-दी बार एसोसियेशन वक्फ जयपुर के चुनाव सम्पन्न

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । दी बार एसोसियेशन वक्फ जयपुर के चुनाव मंगलवार दिनांक 2 दिसंबर को सम्पन्न हुए। इस चुनाव में अब्दुल वाहिद नकवी अध्यक्ष, मोहम्मद असलम खान महासचिव निर्विरोध चुने गए तथा इसी दिन निर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी की कमेटी भी बनाई गई। यह चुनाव सुनील माथुर एडवोकेट, अंसार अहमद एडवोकेट एवं अनवर खान एडवोकेट की निगरानी में सम्पन्न हुए।

सभी नागरिक अपने अधिकारों व कर्तव्यों के प्रति सजग रहें : डॉ. बी.एल. जाटावत

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। एपीजे अब्दुल कलाम एजुकेशन एंड वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा संविधान दिवस पर एपीजे अब्दुल कलाम हॉस्टल के प्रांगण में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। एपीजे अब्दुल कलाम एजुकेशन एंड वेलफेयर ट्रस्ट के जनरल सैक्रेटरी हाजी सईद अहमद ने बताया कि इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष डॉ. बी.एल. जाटावत, सेनि. आईएएस थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अल्पसंख्यक अधिकारी कर्मचारी महासंघ, राजस्थान एवं एपीजे अब्दुल कलाम एजुकेशन एंड वेलफेयर ट्रस्ट के अध्यक्ष हारुन खान ने की। विशिष्ट अतिथि मुकेश मीणा प्रधान टोडाभीम एवं राजस्थान हाईकोर्ट के एडवोकेट समसुलर फाइन थे। कार्यक्रम का संचालन ट्रस्ट के जनरल सैक्रेटरी हाजी सईद अहमद ने किया। मुख्य अतिथि डॉ. बी.एल. जाटावत ने संविधान के बारे में बताते हुए सभी को संविधान द्वारा दी गई शक्तियां एवं कर्तव्य के बारे में बताते हुए सभी को इस पर अमल करने की आवश्यकता बताई । संविधान दिवस पर डॉ. सउद अख्तर पूर्व सचिव राजस्थान मदरसा बोर्ड ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर डॉ. राजीव चौधरी, सत्येंद्र बसवाल RACS, जोईन्ट डायरेक्टर फाइनेंस एनएचएम, डॉ. ओमप्रकाश बसवाल, उपनिदेशक यूनानी चिकित्सा विभाग, अल्पसंख्यक अधिकारी कर्मचारी महासंघ के प्रवक्ता वकी अहमद, पवन

कुमार सैनी, रेलवे, एडवोकेट सुरेश यादव, रेलवे को-ऑपरेटिव पूर्व प्रबंधक, सत्यनारायण यादव, परमेश्वर चंद्र सेन, IRPS, डॉ. रुस्तम खान, इंचार्ज एसएमएस ओपीडी होम्योपैथी चिकित्सा विभाग, एडवोकेट सरदार खान नर्सिंग ऑफिसर, मुकेश बुनकर, सलीम मोहम्मद, सेनि. सीटीआई रेलवे, अजहरूल इस्लाम अख्तर सहित अनेक समाज के अनेक बुद्धिजीवी उपस्थित थे। इस अवसर पर डॉ. जाटावत ने एपीजे अब्दुल कलाम एजुकेशन एंड वेलफेयर ट्रस्ट के सभी पदाधिकारियों को बधाई दी। मुख्य अतिथि एवं सभी अतिथियों का सम्मान ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष डॉ. नजमुद्दीन एवं ट्रस्टी व अल्पसंख्यक अधिकारी कर्मचारी महासंघ जिला जयपुर के जिला अध्यक्ष मोहम्मद उमर एवं प्रोफेसर फैयाज मलिक ने किया।

स्व. माणिक्य लाल वर्मा की जयंती पर PCC मुख्यालय में पुष्पांजलि

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष स्व. माणिक्य लाल वर्मा की जयन्ती के अवसर पर गुरुवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, इन्दिरा गाँधी भवन, स्टेशन रोड, जयपुर पर पुष्पांजलि कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, पूर्व मंत्री डॉ. महेश जोशी, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव राजेश चौधरी, सचिव अय्यूब खान, ताराचंद सैनी, रघुवीर सिंह राठौड़, प्रदेश कांग्रेस सेवादल के मुख्य संगठक हेमसिंह शेखावत, श्रीमती मंजू शर्मा, यशवीर सूरा, मूलाराम भादू, मोहम्मद इकबाल, नितिन व्यास, सी. एल. यादव, श्रीमती वंदना माथुर, श्रीमती विभा माथुर, राजेन्द्र आर्य, शरीफ खान, भीमराज जाखड़, मित्रोदय गाँधी, रामकरण कुमावत, सत्येन्द्रसिंह जादौन, दीपक धीर सहित अनेक कांग्रेसजनों ने स्व. माणिक्य लाल वर्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर अपनी भावभीनी पुष्पांजलि दी।

पर्यावरणीय स्वीकृति तंत्र पर विशेष कार्यशाला का आयोजन

-बेहतर पर्यावरणीय स्वीकृति तंत्र से होगी सस्टेनेबल ग्रोथ- अध्यक्ष, एसईआईएए

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन प्राधिकरण (एसईआईएए) एवं राज्य विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) द्वारा पर्यावरण स्वीकृति तंत्र में आ रही समस्याओं के जल्द निस्तारण के उद्देश्य से विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह आयोजन गुरुवार को राजस्थान फॉरेस्ट्री एंड वाइल्डलाइफ ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, जयपुर में किया गया। इस एक दिवसीय कार्यशाला में विषय विशेषज्ञों द्वारा शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीईटी) के मान्यता प्राप्त कंसल्टेंट्स को जानकारी दी गई। एसईआईएए के अध्यक्ष मुनिश कुमार गर्ग ने कहा कि सस्टेनेबल ग्रोथ के लिए पर्यावरण स्वीकृति

तंत्र को मजबूत और प्रभावी बनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इसमें आ रही समस्याओं के जल्द निस्तारण के उद्देश्य से कंसल्टेंट्स के लिए इस क्षमता वर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया ताकि परियोजनाएं पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप संचालित हो सकें। गर्ग ने बताया कि इस कार्यशाला में पर्यावरणीय स्वीकृति से जुड़े नवीनतम नियमों, प्रक्रियाओं तथा तकनीकी आवश्यकताओं के बारे में विषय विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी जाएगी।

इस दौरान केस स्टडी जैसे सत्र आयोजित किए गए। कार्यशाला में शासन सचिव, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग एवं पदेन सदस्य सचिव, एसईआईएए विजय एन, एसईआईएए के सदस्य मनफूल सिंह, एसईएसी प्रथम के अध्यक्ष अजय गुप्ता, सहित एसईआईएए एवं एसईएसी के अधिकारी एवं कर्मचारियों सहित अन्य प्रतिभागियों ने सक्रिय भाग लिया।

रीको की प्रत्यक्ष आवंटन योजना का सातवां चरण 5 दिसम्बर से

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट का आयोजन दिनांक 9 से 11 दिसंबर 2024 तक किया। मुख्यमंत्री महोदय की यह मंशा है कि राइजिंग राजस्थान के तहत एमओयू करने वाले उद्यमियों को औद्योगिक क्षेत्रों में औद्योगिक भूखण्डों का आवंटन सीधे ही किया जाये जिससे उद्यमी अपनी इकाइयाँ अल्प समय में ही लगा सकें। तद्सार राइजिंग राजस्थान के तहत किये गये एमओयू होल्डर्स को सीधे ही औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक भूखण्ड आवंटन करने के लिये मार्च, 2025 में प्रत्यक्ष आवंटन योजना-2025 जारी की गई। समाज के सभी वर्गों को इस योजना का लाभ मिले इसलिये एससी/एसटी, महिला वर्ग, भूतपूर्व सैनिक, बेंचमार्क दिव्यांगता तथा सशस्त्र बलों/अर्द्धसैनिक बलों के मृतक के आश्रित हेतु भी भूखण्ड आरक्षित किये जाते हैं। योजना को पारदर्शी बनाने हेतु पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन रखी गई है। आवेदन, ईएमडी एवं आवंटन पश्चात् की सभी तरह की सेवायें रीको के ऑनलाइन पॉर्टल पर उपलब्ध हैं। इस योजना के अंतर्गत एक भूखण्ड पर एक ही आवेदन होने पर सीधा ही भूखण्ड आवंटन होता है तथा एक से अधिक आवेदन होने पर ई-लॉटरी के माध्यम से आवंटन किया जाता है। रीको की प्रत्यक्ष आवंटन योजना में निवेशकों का रूझान लगातार बढ़ रहा है। अब तक इस योजना के छह चरण पूर्ण हो चुके हैं एवं सातवां चरण 5 दिसम्बर 2025 से प्रारंभ हो रहा है।

रीको ने इस योजना के तहत एमओयू निष्पादित करने वालों को 117 विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में औद्योगिक व लॉजिस्टिक भूखण्ड उपलब्ध कराये हैं जिनमें 31 नए औद्योगिक क्षेत्र भी शामिल हैं। इस योजना के तहत अभी तक 1070 निवेशकों को भूमि आवंटित की जा चुकी है जिसकी कीमत करीब 1,877 करोड़ रुपये है। इन निवेशकों द्वारा किये गये एमओयू द्वारा लगभग 15,274 करोड़ रुपये का निवेश होगा और करीब 30,000 लोगों को रोजगार मिलेगा तथा राज्य के आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी। योजना के सातवें चरण में 108 औद्योगिक क्षेत्रों को शामिल किया है, जिसमें 7 नए औद्योगिक क्षेत्र धुंवाला (भीलवाड़ा), रूंध सौखरी (अलवर), बरोली (धौलपुर), पीपलूंद (भीलवाड़ा), कीडीमाल (भीलवाड़ा), सथाना-जनरल जोन (ब्यावर) तथा केकड़ी एक्सटेंशन (अजमेर) भी सम्मिलित हैं और करीब 6000 भूखण्ड आवंटन हेतु उपलब्ध हैं। राइजिंग राजस्थान के अंतर्गत गत 19 नवम्बर तक एमओयू करने वाले सभी निवेशक इस योजना के पात्र हैं और अपनी एसएसओ आईडी के माध्यम से 5 से 18 दिसम्बर तक ऑनलाइन ईएमडी जमा करवा कर आवेदन कर सकते हैं। ई-लॉटरी आगामी 23 दिसम्बर को आयोजित होगी। रीको की प्रबंध निदेशक श्रीमती शिवांगी स्वर्णकार ने बताया कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि अधिक से अधिक एमओयू शीघ्रता से धरातल पर उतरें और लोगों को रोजगार मिले। प्रत्यक्ष आवंटन योजना इसी उद्देश्य की पूर्ति करती है।

नगर निगम जयपुर की पशु प्रबंधन शाखा एक्शन मोड में

-10 नवंबर 2025 से अब तक 760 से अधिक निराश्रित पशुओं को पकड़कर पहुंचाया हिंगोनिया गौशाला

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर की पशु प्रबंधन शाखा एक्शन मोड में है। नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देश के बाद टीम द्वारा अभियान चलाकर निराश्रित पशुओं को पकड़कर गौ-पुनर्वास केन्द्र हिगोनिया गौशाला भेजा जा रहा है। हाल ही में हवामहल आमेर जोन में अवैध पशु डेयरी संचालित हो रही थी जिसे भी नगर निगम की टीम द्वारा हटाया गया तथा चेतावनी दी गई थी कि भविष्य में अवैध संचालन पाये जाने पर कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

उपायुक्त पशु प्रबंधन सीमा शर्मा ने बताया कि वर्तमान में

आश्रयहीन, बेसहारा पशुओं को पकड़ने का कार्य मिशन मोड पर किया जा रहा है। 10 नवंबर 2025 से अब तक 760 से अधिक निराश्रित पशुओं को पकड़कर गौ-पुनर्वास केन्द्र हिंगोनिया गौशाला में अवरूद्ध करवाया गया है इसी के साथ 2293 मृत पशुओं को उठवाकर निस्तारण करवाया गया है। 386 उत्पादी बंदरों को पकड़कर शहर से दूर अन्य प्राकृतिक वातावरण में छुड़वाया गया है। इसी के साथ 608 बीमार, घायल पशुओं को एम्बुलेंस वाहन द्वारा उठवाकर चिकित्सा सहायता के लिये हिंगोनिया पहुंचाया गया तथा 19 निराश्रित पशुओं को राजमार्गो से पकड़कर गौ-पुनर्वास केन्द्र हिंगोनिया गौशाला भिजवाया गया। 1581 श्वानों का बंधीयाकरण एवं टीकाकरण (एबीसी कार्यक्रम) किया गया।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

आत्मनिर्भर भारत अभियान के निमित्त भाजपा का युवा सम्मेलन आठ दिसम्बर को होगा आयोजित

-युवा सम्मेलन की तैयारी को लेकर सांसद कार्यालय पर बैठक संपन्न

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार आत्मनिर्भर भारत अभियान के निमित्त 8 दिसंबर को जिला स्तरीय युवा सम्मेलन आयोजित होगा, तैयारीयों को लेकर गुरुवार को कोटा रोड स्थित सांसद कार्यालय पर बैठक संपन्न हुई जहां भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश सिकरवार एवं कार्यक्रम जिला संयोजक मुकेश केरवालिया शहर अध्यक्ष ओपी पारेता ने युवाओं की जिला एवं विधानसभा स्तरीय टीम बनाकर जिम्मेदारियां सौपी।

भाजपा जिला प्रवक्ता सचिन सनाढ्य व सह प्रवक्ता योगेश राजोरा ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया की युवा सम्मेलन मे जिला प्रभारी प्रवीण गालव, सह संयोजक रोहित नागर, जितेंद्र सिंह रहलाई, पुनीत माहेश्वरी,पवन चौधरी, मनोहर सिंह हाड़ाँ,रामपाल गुर्जर, डॉ. महेश यादव को नियुक्त किया, कार्यक्रम के निमित्त भानु प्रताप रहलाई को सोशल मीडिया संयोजक, रोहित नायक सरकार को आई टी संयोजक बनाया वही विधानसभा स्तर पर प्रभारी संयोजक सह संयोजक क्रमश बारां अटरू विधानसभा में रितेश पंजाबी, प्रकाश सुमन, मनोज प्रजापति, अंता मांगरोल विधानसभा में रामेंद्र सिंह हाडा, योगेश गौतम, गंगशंकर गोस्वामी, किशनगंज शाहाबाद विधानसभा में देवासीष शर्मा, ऋषिपाल सिंह, आशुतोष भार्गव, छबड़ा छीपाबड़ौद विधानसभा में रोहित अरोड़ा को प्रभारी अमित गौतम संयोजक एवं मोर सिंह गुर्जर को सहसंयोजक नियुक्त किया।

तारा पुनिया महिला कांग्रेस प्रभारी ने चूरू महिला कांग्रेस प्रकोष्ठ की बैठक ली

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा व राजस्थान प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष सारिका सिंह के निर्देशानुसार चूरू कांग्रेस महिला प्रभारी तारा पुनिया ने शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस चूरू में चूरू महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष सुनीता कपूरिया की कार्यकारणी व कांग्रेस पार्टी से जुड़ी हुई महिलाओं की मीटिंग ली व सभी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि हमें कांग्रेस पार्टी के प्रति सशक्त रूप से हर महिला को सशक्त आवाज देना है व महिलाओं को कांग्रेस की नीति से अवगत करना है SiR अभियान के तहत BLO के साथ मतदाता सूची पर ध्यान देना व वोट चोर गद्दी छोड़ राहुल जी के अभियान को मजबूत करना है और ज्यादा से ज्यादा महिलाओं की संख्या 14 दिसंबर को राहुल गांधी की रेली रामलीला

मैदान मे भाग लेना है सभी जिला कार्यकरणी को निर्देश दिए ज़्यादा से ज़्यादा कांग्रेस की रीति नीति आमजन तक पहुंच आये । बैठक की अध्यक्षता चूरू जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनिता कपुरिया, विशिष्ठ अतिथि शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, देहात ब्लॉक अध्यक्ष किशोर धान्धू ने की। कार्यक्रम का संचालन चूरू जिला महासचिव सुनिता बाकोलिया ने किया। इस अवसर पर चूरू देहात ब्लॉक अध्यक्ष शर्मिला भाकर, शहर ब्लॉक अध्यक्ष बलकेश बानो, सरदारशहर शहर ब्लॉक अध्यक्ष राजकुमारी, तारानगर शहर ब्लॉक अध्यक्ष संतोष मेहरा, तारानगर देहात ब्लॉक अध्यक्ष सुमन दानोदिया, राजगढ शहर ब्लॉक अध्यक्ष कलावती, रतनगढ शहर ब्लॉक अध्यक्ष कोमल पंवार, देहात ब्लॉक अध्यक्ष संतोष देवी, उपाध्यक्ष बालीबाई, कविता पुनियां, उषा श्योराण, अनिता भार्गव, अंजू कुमारी, महासचिव शकिला बानो, सचिव प्रियंका मेघवाल, सरोज सहारण, सहित चूरू जिला व ब्लॉक महिला कार्यकारिणी की कार्यकर्ता उपस्थित रही।

जोधपुर में अधिवक्ता से थाने में हाथापाई और बदसलूकी का मामला

-अधिवक्ता फिरोज खान ने घटना की कड़े शब्दों में निंदा

बारां (रॉयल पत्रिका)। अधिवक्ता फिरोज खान ने जोधपुर के कुड़ी भगतासनी थाने में अधिवक्ता से हुई हाथापाई और बदसलूकी वाली घटना की कड़े शब्दों में निंदा की है। बारां अभिभाषक परिषद के सतर्कता सदस्य अधिवक्ता फिरोज खान ने कहा कि थाने में वकीलों से पुलिस द्वारा मारपीट के मामले सामने आ रहे हैं, जो न्याय के योद्धाओ की आवाज़ दबाने के समान है। अधिवक्ता फिरोज खान ने कहा की संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ की गई कार्रवाई स्वागत योग्य है। पीड़ित वकीलों के साथ एकजुटता दिखाते हुए उन्होंने कहा कि वकीलों की सुरक्षा और सम्मान हेतु संघर्ष की भूमिका निभाते रहेंगे। अधिवक्ता फिरोज खान ने वकीलों की सुरक्षा और सम्मान की मांग की, व पुलिस द्वारा की गई बदसलूकी और अनावश्यक हिंसा की निंदा की है। अधिवक्ता फिरोज खान ने दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ प्रभावी और त्वरित कार्रवाई के लिए राजस्थान हाईकोर्ट द्वारा लिए स्वतः संज्ञान का भी स्वागत किया है। पुलिस के द्वारा आम नागरिक और अधिवक्ताओं के साथ थाने में हो रहे दूर व्यवहार की घोर निंदा की है।

जिले भर से नए पुराने कांग्रेस जन और नेता भारी संख्या में जुटेंगे

-कांग्रेस जिलाध्यक्ष शिशुपाल सिंह 9 दिसंबर को पदभार ग्रहण करेंगे, भव्य सम्मान समारोह भी होगा

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी दारा नव नियुक्त पाली जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शिशुपाल सिंह निम्बाड़ा की नियुक्ति से जिले भर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जोश और उत्साह का संचार है तथा जिले भर से हजारो कांग्रेस कार्यकर्ता 9 दिसंबर को भारी संख्या में पाली पहुंच नव नियुक्त जिलाध्यक्ष निम्बाड़ा को कांग्रेस भवन में पद भार ग्रहण करवाएंगे तत्पश्चात उनका भव्य स्वागत समारोह होगा इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि, विधायक,पूर्व विधायक,लोकसभा,विधान सभा के प्रत्याशी रहे नेतागण, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता,आमंत्रित अतिथि तथा जिला कांग्रेस के पदाधिकारी,ब्लॉक कांग्रेस,नगर कांग्रेस पदाधिकारियों,अग्रिम संगठनों सहित कांग्रेस कार्यकर्ता शिरकत कर संगठन को सशक्त बनाने का संकल्प लेंगे,इस कार्यक्रम को लेकर जिले भर में कांग्रेसजने ने अपने अपने स्तर पर तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जबर सिंह राजपुरोहित ने जिले के नए पुराने कांग्रेस साथियों तथा पुराने सेवादल के सभी वरिष्ठ साथियों को पदभार ग्रहण समारोह में अधिकाधिक संख्या में पहुंचने का आव्हान करते हुए कहा कि नव नियुक्त कांग्रेस अध्यक्ष शिशुपाल सिंह संगठन के पुराने अनुभवी नेता हैं वो प्रत्येक कांग्रेसजन के सम्मान और संगठन को नई ऊंचाइयां देने में सबके सहयोग से पार्टी को नई दिशा देंगे और इस अभियान में हम सबका दायित्व बनता हैं कि हम भी अपने योगदान के लिए सदैव पार्टी हित में तत्पर रहे। वरिष्ठ नेता जबर सिंह राजपुरोहित ने कहा कि हमारी पहचान कांग्रेस से है और सशक्त कांग्रेस ही हमारा सम्मान है,हम सबको सारे मतभेद या व्यक्तिवाद का त्याग कर कांग्रेस आलाकमान और हाथ के चिन्ह को प्राथमिकता देनी होगी तभी इस नाजुक समय में हम देश और संविधान के लिए संघर्ष में सफल हो पाएंगे, हमे व्यक्तियों के लिए नहीं बल्कि कांग्रेस के लिए समर्पित भाव से सामूहिक शक्ति के साथ चलना होगा तभी सार्थक परिवर्तन कर पाएंगे वरना आनेवाली पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेगी इसलिए 9 दिसंबर के कांग्रेस कार्यक्रम में अधिकाधिक संख्या में पहुंच कर कांग्रेस एकता का संदेश देना समय की मांग है।

अवैध 40 किलोग्राम डोडा पोस्त चूरा मय ट्रक सहित एक आरोपी गिरफ्तार

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव आई.पी.एस. ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ, नशीली दवा के विरूद्व लगातार कार्यवाही करते हुए सुनील कुमार आरपीएस अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चूरू व सुनिल कुमार झाझडिया आरपीएस वृताधिकारी वृत चूरू के निकटतम सुपरविजन एवं सुखराम चोटिया थानाधिकारी पुलिस थाना कोतवाली चूरू के नेतृत्व में 04 दिसम्बर 2025 को किशनाराम मय जाब्ता को वास्ते गश्त व अवैध मादक पदार्थ की सुरागरसी हेतु एनएच 52 चूरू नाकाबन्दी शुरू की। दौराने नाकाबन्दी एक ट्रक को इशारा कर रूकवाकर ट्रक चालक का नाम पता पुछा तो काफी घबरा गया तो संदिग्ध प्रतीत होने पर

उक्त व्यक्ति की चैकिंग की गई दौराने चैकिग उक्त व्यक्ति निर्मल सिह पुत्र गुरदीप सिह जाति जटसिख उम्र 46 साल निवासी वार्ड नम्बर 03, खोपडा पुलिस थाना नोहर जिला हनुमानगढ के पास से अवैध 40 किलोग्राम डोडा पोस्त छीलका मिला। उक्त मादक पदार्थ मय ट्रक न. आरजे 23 जीसी 2851 जब्त कर जरिये फर्द प्रथक से गिरफ्तार किया गया एवं आरोपी के खिलाफ अभियोग संख्या 268/2025 धारा 8/15, 29 एनडीपीएस एक्ट में दर्ज किया। प्रकरण में आरोपी से अनुसंधान जारी है।

नवनियुक्त जिलाध्यक्ष शिशुपालसिंह को विधायक भीमराज भाटी ने दिया आशीर्वाद

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। जिला कांग्रेस के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष शिशुपाल सिंह निम्बाडा पहुंचे पाली के लोकप्रिय विधायक भीमराज भाटी के निवास पर और लिया आशीर्वाद, विधायक व परिवार जन ने किया गर्मजोशी से स्वागत। जिलाध्यक्ष शिशुपालसिंह को विधायक भीमराज भाटी ने शुभकामना दी और विश्वास जताया कि आपके नेतृत्व में जिले में अब कांग्रेस होगी और मजबूत व स्थापित करेगी नए आयाम।

राजियासर राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में वितरित किए स्वेटर

मोहम्मद अली पठान

सुजानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। सुजानगढ़ कस्बे के चक राजियासर स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में सुप्रीम फाउंडेशन की ओर से प्राथमिक स्तर के नव प्रवेशित विद्यार्थियों को स्वेटर वितरित की। गौरतलब है कि फाउंडेशन द्वारा जिले के 40 स्कूलों में कुल 749 स्वेटर वितरित की गई हैं। इस अवसर पर संस्था प्रधान सुलोचना ढाका सहित सभी स्टाफ सदस्यों, स्वयंसेवक विकास बिजारणियां, प्रकाश चंद ने सुप्रीम फाउंडेशन जसवंतगढ़ के मुख्य ट्रस्ट बजरंग लाल तापड़िया, महावीर प्रसाद तापड़िया, मुख्य समन्वयक श्यामबाबू शर्मा, समन्वयक जय सिंह, मनोज सोलंकी, कृष्ण कांत का आभार व्यक्त किया।

घाटरा में बीएसएफ जवान का राजकीय सम्मान के साथ अंतिमसंस्कार

-हृदय गति रुकने से हुआ था निधन

हनीस खान कुतकपुर

घाटरा/शेरपुर (रॉयल पत्रिका)। गांव घाटरा शेरपुर निवासी बीएसएफ हवलदार रामबाबू गुर्जर की इंदौर ट्रेनिंग सेंटर में हृदय गति रुकने से मौतहो गई, बुधवार को राजकीय सम्मान के साथ उनके पैतृक गांव में अंतिम संस्कार किया गया अंतिम संस्कार में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के अलावा सैकड़ो लोगों ने शहीद को पुष्प चक्र अर्पित कर अंतिम विदाई दी, रामबाबू गुर्जर बीएसएफ में 12 गार्ड में इंदौर में तैनात थे, बुधवार सुबह उनका पार्थिव शरीर पैतृक गांव पहुंचा जहां बीएसएफ जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर अंतिम सलामी दी इस दौरान क्षेत्रीय विधायक घनश्याम महर, एसडीएम अमन चौधरी,

डीएसपी मुरारी लाल मीणा, तहसीलदार श्रीराम मीणा, थाना अधिकारी महेश कुमारमीणा, नायब तहसीलदार मुकुट सिंह गुर्जर ने पुष्प चक्र अर्पित कर शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की। शहीद के अंतिम संस्कार में क्षेत्र के पूर्व सैनिक एवं वरिष्ठ नागरिकों ने बीएसएफ जवान को अंतिम विदाई दी इस दौरान भारत माता की जय कारों से आकाश गुंजायमान हो गया। शहीद के बड़े बेटे ने दीमुखाग्नि मृतक बीएसएफ जवान रामबाबू गुर्जर के प्रवीण और नवीन दो बेटे हैं दोनों ही सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं, बड़े बेटे प्रवीण ने पिता को मुखाग्नि दी तो पूरा माहौल गमगीन हो गया। वही पत्नी संतरा देवी का रो-रो कर बुरा हाल था।

राजस्थान सरकार का जताया आभार पंचायत समिति शेरपुर मुख्यालय बनाने को लेकर नायब तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

हनीस खान कुतकपुर

शेरपुर (रॉयल पत्रिका)। गांव शेरपुर में सर्व समाज की आम जनता ने गांव में रैली निकाली रैली में नरेंद्र मोदी जिंदाबाद, भजनलाल शर्मा जिंदाबाद एवं भाजपा जिंदाबाद के लगाए नारे राजस्थान सरकार द्वारा पंचायत समिति की अधिसूचना में शेरपुर सूरोठ को नई पंचायत समिति बनाने पर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा पंचायत राज मंत्री मदन दिलावर, अविनाश गहलोत, सुमित गोदारा, अरुण चतुर्वेदी, घनश्याम तिवारी एवं करौली के लोकप्रिय विधायक दर्शन सिंह गुर्जर एवं जिला अध्यक्ष गोवर्धन सिंह जादौन एवं समस्त भाजपा संगठन का आभार व्यक्त कर ग्रामीणों ने पंचायत समिति मुख्यालय शेरपुर बनाने की मांग की गई सर्व समाज ने भाजपा सरकार की सबका साथ सबका विकास की नीति की सराहना की गई गांव के चौक पर सर्व समाज के बुजुर्ग महिलाएं एवं युवा एकत्रित होकर गांव के प्रमुख मार्गो से रैली निकाल

कर नायब तहसीलदार कार्यालय शेरपुर को मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान विजय सिंह डागुर, भाजपा खेड़ा जमालपुर मंडल महामंत्री राम प्रकाश डागुर, भाजपा जिला मंत्री शिव सिंह, पूर्व जिला मंत्री भाजपा उद्यम सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष बाबू सिंह, सवाई माधोपुर विभाग संयोजक योगेन्द्र डागुर, नाहर सिंह, मनोज, कामराज, अजित, भाजपा एससी मोर्चा पूर्व जिला महामंत्री टीकम जाटव, सहित अन्य ग्रामीण शामिल रहे।

संभाग अध्यक्ष भूमलिया ने अंता विधायक भाया का स्वागत अभिनंदन किया

बारां (रॉयल पत्रिका) । अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग कोटा संभाग का अध्यक्ष सत्यनारायण भूमलिया को बनाए जाने पर भूमलिया ने गुरुवार 04 दिसंबर को एससी के लोगों के साथ गुरूवार को प्रमोद जैन भाया पूर्व कैबिनेट मंत्री व अंता विधायक के निवास श्रीजी चौक जाकर ढोल नगाड़े व आतिशबाजी कर स्वागत किया। साथ ही भाया के पगड़ी वंदन किया गया। साथ ही सत्यनारायण भूमलिया ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

शिक्षा और सेवा का संगम:

राजकीय बागला बालिका उ.मा.वि., चूरू में 80 ज़रूरतमंद छात्राओं को ऊष्म स्वेटर वितरित

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर कड़ाके की सर्दी के बीच, परोपकार और प्रेरणा की एक गर्माहट भरी लहर राजकीय बागला बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, चूरू तक पहुँची, जहाँ एक भव्य स्वेटर वितरण समारोह का आयोजन किया गया। MJF लायन चन्द्रशेखर अग्रवाल के आर्थिक सौजन्य से, विद्यालय की 80 ज़रूरतमंद एवं प्रतिभाशाली छात्राओं को गर्म स्वेटर वितरित किए गए, ताकि वे मौसम की चुनौतियों का सामना करते हुए निर्बाध रूप से अपनी शिक्षा जारी रख सकें।कार्यक्रम की गरिमामयी अध्यक्षता क्लब अध्यक्ष लायन राजीव शर्मा ने की, जबकि जॉन चैयरमेन लायन चंद्रप्रकाश खत्री विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। संपूर्ण कार्यक्रम का सुचारु एवं मनमोहक मंच संचालन विनोद पुनिया द्वारा किया गया। महिला प्रधानाचार्य ज्योति मंगलहारा ने अपने स्वागत भाषण में सभी गणमान्य अतिथियों का हृदय से अभिनंदन किया। उन्होंने कहा, "यह सिर्फ स्वेटर का वितरण नहीं है, बल्कि हमारी बेटियों के प्रति समाज के विश्वास और प्रोत्साहन का प्रतीक है।"अध्यक्ष राजीव शर्मा ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में कहा कि लायन चन्द्रशेखर अग्रवाल जैसे दानदाताओं का सहयोग यह सुनिश्चित करता है कि आर्थिक बाधाएँ हमारी बेटियों के भविष्य को धूमिल न कर सकें। उन्होंने छात्राओं से अपील की कि वे इस सहयोग को प्रेरणा मानकर पूरे लगन और समर्पण के साथ अध्ययन करें। प्रमेंद्र कौशिक, सहायक उपनिदेशक शिक्षा ने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा, "ज्ञान ही सबसे बड़ी शक्ति है। यह सहायता आपको अपने सपनों को पूरा करने के लिए एक कदम और आगे बढ़ाती है।" सूर्यकांत जी ACBO ने भी छात्राओं को उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं।इस अवसर पर लायंस क्लब के सदस्य लायन शैलेंद्र माथुर, रामचंद्र राजोतिया, सुनील रंजन टकणेत,ताराचन्द प्रजापत, महेंद्र धानुका, आबिद खान, अन्य गणमान्य नागरिक एवम स्कूल स्टाफ उपस्थित रहे: सभी अतिथियों ने छात्राओं को स्वयं अपने हाथों से स्वेटर वितरित किए, जो उनके प्रति सम्मान और स्नेह का प्रतीक था।अंत में, विद्यालय के संस्था प्रधान मुकुल भाटी ने सभी दानदाताओं, अतिथियों और सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय परिवार यह संकल्प लेता है कि वह इन बेटियों को सर्वश्रेष्ठ शिक्षा प्रदान करेगा, ताकि ये बेटियाँ न सिर्फ अपने परिवार का, बल्कि इस समाज और राष्ट्र का नाम रौशन कर सकें।यह कार्यक्रम सेवा, शिक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी का एक उत्कृष्ट उदाहरण बनकर समाप्त हुआ।

श्रमिक कॉलोनी की मुख्य सड़क का अधूरा पड़ा निर्माण कार्य फिर से शुरू

-पार्षद शरीफ रंगरेज के अथक प्रयासों से कार्य हुआ शुरू

बारां (रॉयल पत्रिका) । नगर परिषद बारां के वार्ड नंबर 44 के पार्षद मोहम्मद शरीफ रंगरेज द्वारा वार्ड की समस्याओं का लगातार समाधान जारी है। बरसात के समय श्रमिक कॉलोनी की मुख्य सड़क का कार्य पार्षद के अथक प्रयासों से शुरू हुआ था लेकिन लगातार बारिश की वजह से 100 मीटर का टुकड़ा नहीं बन पाया था। गुरुवार को फिर से पानी की टंकी से खजूर के पेड़ तक बचा हुआ इंटरलॉकिंग सड़क का कार्य प्रारंभ हुआ। मोहल्ले वासियों ने पार्षद मोहम्मद शरीफ रंगरेज का शुक्रिया अदा किया और दुआओं से नवाजा। बता दे कि पार्षद

मोहम्मद शरीफ रंगरेज द्वारा वार्ड में कई विकास कार्य करवाए जो पिछले कई सालों से नहीं हो पाए। जिसकी वजह से वार्ड का लगभग कुछ एक दो को छोड़ कर बाकी हिस्सा सीसी या इंटरलॉकिंग हो गया है। वार्डवासी जफर पिंकू, डॉ. हाजी अब्दुल रशीद, सहित कई लोगों ने उनके द्वारा करवाए जा रहे विकास कार्यों की खुले मन से प्रशंसा की।

राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिकाधिक राजीनामा करवाये: एडवोकेट रामेश्वर प्रजापति

मोहम्मद अली पठान

चुरु (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के निकटवृत्ति गांधी ग्राम रामसरा में राउमाबावि के सभागार में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चुरु के निर्देशानुसार विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया। मुख्य वक्ता एडवोकेट रामेश्वर प्रजापति जिला अध्यक्ष सीवील राइट सोसायटी चुरु विधिक चेतना की विस्तार से जानकारी देते हुए 21 दिसम्बर 2025 को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में जिले के सभी जागरूक जन से अधिकाधिक मुकदमा में तालुका स्तर पर राजीनामा से प्रकरण निपटाने के प्रयास किए जाने की अपील करते हुए अपनी स्व रचित कविता मुच्छ्या रो आंटों से प्रेरणा दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य विरेन्द्र सिंह राठौड़ ने की। उन्होंने कहा कि प्यारे बच्चों अनुशासन से बढ़कर कोई पर्याय नहीं है विद्यार्थी को

अनुशासित हो कर जिवन मे आगे बढ़ना है अच्छे समाज निर्माण से अपराध पर रोक लगाई जा सकती है उन्होंने संस्कारित शिक्षा की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में विनोद कुमार भाकर, राजेश प्रजापत, कल्पना प्रजापत,कमला मेंघवंशी ने सहभागिता दी। कार्यक्रम का संचालन शालिनी शर्मा पी टीआई ने किया।

उम्मीद पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन की तिथि बढ़ाने की मांग

पाली (रॉयल पत्रिका)। उम्मीद पोर्टल पर वक़्फ़ सम्पत्तियों के रजिस्ट्रेशन की तिथि बढ़ाने की मांग को लेकर पूर्व पार्षद एवं जिला कांग्रेस महासचिव आमीन अली रंगरेज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलात मंत्री किरेन रिजजु तथा राजस्थान वक्फ बोर्ड चेयरमैन डॉ. खानू खान बुधवाली को पत्र प्रेषित कर कहा कि वक़्फ़ सम्पत्तियों के संरक्षण और सही प्रबंधन को सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक ज़िम्मेदारी है। इसी उद्देश्य से उम्मीद पोर्टल पर देशभर में वक़्फ़ सम्पत्तियों का रजिस्ट्रेशन कराया जा रहा है, किन्तु बीते कई दिनों से पोर्टल का सर्वर लगातार डाउन रहने के कारण रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया बुरी तरह प्रभावित हो रही है। इसी गंभीर स्थिति को देखते हुए रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 5 दिसम्बर से आगे बढ़ाने की मांग रखी है, ताकि देशभर के मुतवल्ली, वक़्फ़ ज़िम्मेदारान और आमजन बिना तकनीकी बाधाओं के सुगमता से रजिस्ट्रेशन पूरा कर सकें। देशभर में सर्वर डाउन रहने से बड़ी संख्या में लोग रजिस्ट्रेशन कराने में असमर्थ हैं। उन्होंने सरकार से अपील की है कि ज़िद छोड़कर जनता की आवाज़ सुनी जाए तथा रजिस्ट्रेशन की तिथि आगे बढ़ाकर आमजन को राहत प्रदान की जाए। वक़्फ़ को बचाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। तकनीकी समस्याओं के बीच समय सीमा बढ़ाना वक़्फ़ सम्पत्तियों की पारदर्शिता और सही संरक्षण के हित में आवश्यक है।

अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर झुंझुनूं में हुआ सम्मान समारोह

-जिले के श्रेष्ठ दिव्यांगजन एवं सहयोगियों को किया गया सम्मानित

झुंझुनूं (रॉयल पत्रिका)। अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस 2025 के अवसर पर बुधवार को शहीद रामदेव करणीराम पार्क में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग झुंझुनूं तथा राजस्थान दिव्यांग सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झुंझुनूं विधायक राजेन्द्र भांबू रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला प्रमुख हर्षिनी कुल्हरी ने की। विशिष्ट अतिथियों में सीएमएचओ छोटेलाल गुर्जर, समाज कल्याण विभाग के उपनिदेशक डॉ. पवन पूनिया, विजय गोपाल मोटासरा एवं संस्थान के अध्यक्ष पृथ्वीराज गुर्जर शामिल रहे। समारोह में जिले के श्रेष्ठ दिव्यांगजन खिलाड़ियों सचिन वर्मा, पवन कुमार शर्मा एवं विमल कुमार को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही दिव्यांगजन कल्याण हेतु महत्वपूर्ण कार्य करने वाले व्यक्तियों महेश कुमार (चाइल्डलाइन समन्वयक), होशियार सिंह (परमहंस दिव्यांग सेवा संस्था) एवं विनोद सैनी (आशा का झरना) को भी प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान दिव्यांगजनों को सहायक

उपकरण वितरित किए गए। वहीं राजस्थान दिव्यांग सेवा संस्थान की ओर से मेधावी दिव्यांग छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहन राशि व स्मृति चिन्ह भी प्रदान किए गए। उपस्थित दिव्यांगजनों को रजाईं, गद्दे, गर्म वस्त्र, कोट एवं जूते आदि सामग्री भी वितरित की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक राजेंद्र भांबू ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा दिव्यांगजनों के लिए चलाई जा रही योजनाओं का अधिक से अधिक पात्रजन लाभ लें। उन्होंने जिले में दिव्यांगजनों के लिए बाधामुक्त वातावरण सुनिश्चित करने हेतु हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ. गुर्जर ने जिले में दिव्यांगजनों हेतु यूडीआईडी कार्ड बनवाने की प्रक्रिया की जानकारी देते हुए हेल्पलाइन नंबर एवं अपना व्हाट्सएप नंबर उपलब्ध कराया, जिससे किसी भी दिव्यांगजन को प्रक्रिया में समस्या नहीं आए। पीरामल फाउंडेशन की ओर से कार्यक्रम में उपस्थित दिव्यांगजनों को समावेशी शिक्षा, व्यवसायिक प्रशिक्षण एवं स्कूली शिक्षा संबंधित योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के कृष्ण कुमार यादव, अनिल सैनी, राजीव कुल्हार तथा राजस्थान दिव्यांग सेवा संस्थान से राकेश सिरोवा, बाबूलाल कुमावत, अंशिका, नेहा, अदम्या एवं नवनीत सहित बड़ी संख्या में दिव्यांगजन उपस्थित रहे।

ईट राइट इंडिया अभियान के तहत विद्यालय में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

-खाद्य सुरक्षा दल द्वारा छात्र-छात्राओं को किया जागरूक

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश में ईट राइट इंडिया अभियान के तहत विद्यालयो में पौष्टिक भोजन एवं मोटे अनाज का महत्व बताए जाने हेतु जागरूकता सत्र आयोजित किये गये। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जैमिनी ने जानकारी देते हुए बताया कि खाद्य सुरक्षा आयुक्त डॉ. टी शुभमंगला के निर्देशानुसार ईट राइट इंडिया अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारी वेद प्रकाश पूर्विया व नितेश गौतम द्वारा रीजनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर विवेकानंदपुरम, राजकीय विद्यालय हिम्मतपुरा, राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल नयापुरा सवाई माधोपुर में बच्चों को मोटा अनाज श्री अन्न के फायदे एवं जंक फूड के दुष्प्रभावों के सम्बन्ध मे

जागरूक करने के लिए विस्तृत जागरूकता सत्र आयोजित किया। खाद्य सुरक्षा अधिकारीयो ने इन जागरूकता सत्रो में विद्यालयों के बच्चों को गुड फूड-बेड फूड का अंतर, जंक फूड के शरीर पर दुष्प्रभाव, स्वस्थ भोजन की आदतों से जोड़ना और उनके दैनिक आहार में पोषक तत्वों का शरीर के लिए महत्व के बारे में बताया गया। विद्यालयो के निदेशक व प्रधानाचार्यों के निर्देशन में विद्यार्थियों को पीपीटी द्वारा चार्ट, स्पीच, कविताओं के माध्यम से सरल एवं रोचक तरीके से जानकारी दी गई।

खाद्य सुरक्षा अधिकारीयो ने बच्चों को समझाया कि पैकेज्ड खाद्य पदार्थ खरीदते समय फूड लेबल, एक्सपायरी डेट, एफएसएसएआई मार्क अवश्य देखें। घर में बना ताजा भोजन, हरी सब्जियां, फल एवं मिलेट्स पर आधारित व्यंजन का अधिक से अधिक उपयोग करने हेतु प्रेरित किया। बच्चों को भोजन से संबंधित अच्छी आदतों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस का आयोजन

बारां (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के परिसर में बुधवार को जिला कलक्टर के मुख्य आतिथ्य में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त जिला कलक्टर भंवरलाल जनागल एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमति हिना परिहार, अतिथि सीएमएचओ संजीव सक्सेना, सहायक निदेशक जनसम्पर्क योगेन्द्र शर्मा, खान विकलांग कल्याण संघ प्रदेश अध्यक्ष आफाक अहमद, औस संस्थान के संदीप जैन आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित करके की गई। कार्यक्रम में जिला स्तर पर विशेष योग्यजन के क्षेत्र में कार्य करने वाले सत्यनारायण गौतम, अरविन्द मेहता, सत्यनारायण बंसल को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। विशेष योग्यजनों कुलदीप नागर व श्रीमति शांति बाई लोधा को इलेक्ट्रिक पावर व्हीलचेयर प्रदान की गई। कार्यक्रम में औस संस्था के बौद्धिक अक्षम एवं मूक बधिर 10 बच्चों ने सामूहिक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। मूक बधिर बालक आर्यन ने भी सांस्कृतिक प्रस्तुति दी।

जिला क्षय रोग निवारण केंद्र को मिली अल्ट्रा पोर्टेबल एक्स-रे मशीन

- रेडियोग्राफर्स की प्रशिक्षण बैठक हुई सम्पन्न

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित टीबी अस्पतालों को अल्ट्रा पोर्टेबल एक्स-रे मशीन उपलब्ध कराई गई है। टीबी की जल्दी पहचान और प्रभावी उपचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बुधवार को जिले के सभी ब्लॉकों के रेडियोग्राफर्स को अल्ट्रा पोर्टेबल एक्स-रे मशीन का संचालन बताने के लिए विशेष प्रशिक्षण बैठक आयोजित की गई। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. अमित कुमार गोयल ने बताया कि इस नई तकनीक के माध्यम से अब रेडियोग्राफर मोबाइल एक्स-रे किट का संचालन कुशलतापूर्वक करेंगे और ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर टीबी की स्क्रैनिंग कर पाएंगे। बैठक में सभी ब्लॉकों के रेडियोग्राफर को नई तकनीक, सुरक्षा उपायों और मशीन के संचालन के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर ही फेफड़ों की जांच और रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया को भी समझाया गया। यह मुख्य कारण टीबी उन्मूलन

कार्यक्रम को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आयोजित किया गया था ताकि टीबी के मामलों की जल्दी पहचान और उपचार सूचित किया जा सके।

जिला क्षय रोग अधिकारी ने कहा कि इस तकनीकी सहायता से रेडियोग्राफर्स अब सुदूर इलाकों में भी स्क्रैनिंग कर सकेंगे। इससे जिले में टीबी की शीघ्र पहचान संभव होगी और उपचार के लिए मरीजों को समय पर भेजा जा सकेगा। यह जिले के स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत बनाएगी। उन्होंने बताया कि विशेष पोर्टेबल एक्स-रे मशीन में एआईं (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस)का इस्तेमाल किया जाएगा जो मरीजो के एक्स-रे फोटो को तुरंत विश्लेषण करके यह बता देता है कि मरीजों को टीबी है या नहीं। यदि टीबी का संदेह होता है तो मरीज को अन्य टेस्ट के लिए भेजा जाता है। यह मशीन अस्पतालों की स्थिर मशीनों की तरह ही कार्य करती है लेकिन पोर्टेबल और अधिक सूलभ होने के कारण इसे ग्रामीण क्षेत्रों में भी उपयोग किया जा सकता है। इस माध्यम से जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में टीबी की स्क्रीनिंग को एक नई दिशा मिलेगी, जिससे टीबी के इलाज में तेजी लाई जा सकेगी और लोगों की स्वास्थ्य स्थिति बेहतर हो सकेगी।

पेंशनर्स 20 दिसंबर, 2025 तक जमा करवाएं जीवन प्रमाण—पत्र

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राज्य सरकार ने राज्य पेंशनर्स के जीवन प्रमाण—पत्र जमा कराने की अंतिम तिथि 20 दिसम्बर, 2025 निर्धारित की है। कोषाधिकारी प्रवीण कुमार सिंघल ने बताया कि चूरू जिले में जिन पेंशनर्स ने जीवन प्रमाण—पत्र अभी तक प्रस्तुत नहीं किया है, उनकी माह दिसंबर, 2025 की पेंशन विभाग द्वारा जारी नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि पेंशनर्स की सुविधा हेतु कोष एवं उपकोष कार्यालय में हेल्प डेस्क की सुविधा शुरू की जा चुकी है। इसलिए पेंशनर्स अपनी सुविधा अनुसार ऑनलाइन अथवा कोष/उपकोष कार्यालय में उपस्थित होकर जीवन प्रमाण पत्र अद्यतन करवा सकते हैं। कोषाधिकारी ने सभी पेंशनर्स से अपील की है कि पेंशनर्स 20 दिसंबर, 2025 तक अपना जीवन प्रमाण— पत्र अनिवार्य रूप से अद्यतन करवाएं ताकि उन्हें पेंशन भुगतान में कोई विलंब नहीं हो।

हौसलो की उडान से छुए नए आयाम - राणावत

-अंतराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर किया सम्मान, सफलता के बताए टिप्स

पाली (रॉयल पत्रिका)। अंतराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के मौके पर बुधवार को उपखंड प्रशासन एवं महिला सुरक्षा सहयोगी समिति की ओर से प्रतिभावान दिव्यांगजनो को स्मृति चिन्ह देकर विशेष सम्मान किया गया। कार्यक्रम मे उपखंड अधिकारी विमलेन्द्र सिंह राणावत ने कहा कि दिव्यांगजन आज किसी भी क्षेत्र मे पीछे नही है उन्होने अपनी कडी महनत, लगन व हौसलो की उडान से सफलता के नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होने कहा कि दिव्यांगजन अपने आप को कमजोर नही बल्कि सबसे ताकतवर समझे। महिला सुरक्षा सहयोगी समिति के संस्थापक अध्यक्ष कुलदीप पंवार ने कहा कि दिव्यांगजन विचित्र प्रतिभा के धनी होते है जरूरत है तो केवल उनकी प्रतिभा तराशने की। उन्होने जीवन मे सफलता के नए आयाम स्थापित करने के टिप्स बताए।

इनका हुआ सम्मान –

कार्यक्रम मे रूपावास चारणान निवासी एवं तैराकी मे गोल्ड सिल्वर एवं कास्ंय पदक जीतने वाली

शान्ति भाटी, डॉ. विभागाध्यक्ष चर्मरोग रेखा सीरवी, हारमोनियम एवं तबला निर्माता राजेन्द्र चौहान, पंचायत शिक्षक जालम सिंह राजपुरोहित आदि को स्मृति चिन्ह देकर विशेष सम्मान किया गया।

ये रहे मौजूद –

कार्यक्रम मे पाली पूर्व प्रधान शोभा सोलंकी, डॉ. मांगीलाल चौधरी, आर.डी.वैष्णव,श्रीमती अचला शर्मा, श्रीमती कमला शर्मा,जितेन्द्र आडवाणी, मीडिया प्रभारी विक्रम सिंह परिहार, ललित कुमार दवे,अनिल नामा, राजेश कुमार सैन आदि मौजूद रहे।

हिंडौन से जयपुर रोडवेज सेवा 1 महीने से बंद लोग परेशान, प्रदर्शन किया

हनीस खान कुतकपुर

बालघाट (रॉयल पत्रिका)। हिंडौन से वाया बालघाट जयपुर जाने वाली रोडवेज बस एक महीने से बंद है जिसके कारण क्षेत्र के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है ग्रामीणों ने रोडवेज बस को चलाने की मांग को लेकर रोडवेज प्रबंधन के खिलाफ प्रदर्शन कर आक्रोशबताया है। प्रदर्शन मेंशामिल शकील खान रईस खान श्याम पंडित मामल खान सफीक खान आदि ने बताया कि बालघाट तहसील मुख्यालय से सैकड़ो लोग प्रतिदिन जयपुर आते जाते हैं एक महीने से हिंडौन से जयपुर जाने वाली रोडवेज बस प्रबंधन द्वारा बिना कारण ही बंद कर दी है जिसके कारण लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है ग्रामीणों ने बताया कि इस संबंध में कई बार रोडवेज प्रबंधन को अवगत करवाने के

बावजूद अभी तक रोडवेज बस की सेवा शुरू नहीं की है जिसके कारण उनके काम प्रभावितहो रहे हैं। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने बताया कि उपरोक्त बस से तहसील क्षेत्र के सैकड़ो लोग प्रतिदिन जयपुर के लिए सफर करते थे लेकिन अब उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है ग्रामीणों ने रोडवेज प्रशासन से रोडवेज सेवा को शुरू करने की मांग की है। बस और ड्राइवरों की कमी है। हमारे पास बस एवं ड्राइवर की भारी कमी है इसके कारण बस बंद हुई है और भी कई रूट की बस बंदपड़ी है।

राठीखेड़ा में स्थापित होने वाली एथेनॉल इकाई को लेकर कार्यशाला

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिले के टिब्बी स्थित राठीखेड़ा में स्थापित होने वाली एथेनॉल इकाई को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करने के लिए बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सभी हितधारकों ने वास्तविक फायदों एवं प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की। गौरतलब है कि ड्यून इथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड द्वारा चक 5 आरके में 1320 केएलपीडी अनाज-आधारित इथेनॉल संयंत्र तथा 24.5 मेगावाट सह-उत्पादन विद्त संयंत्र की स्थापना 16.66 हेक्टेयर (41.17 एकड़) में की जा रही है। कार्यशाला में जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव, एसपी हरी शंकर सहित जनप्रतिनिधि, औद्योगिक ईकाई के प्रतिनिधि मौजूद रहें। धरनार्थी किसानों को भी कार्यशाला में आमंत्रित किया गया था परन्तु किसान कार्यशाला में उपस्थित नहीं हुए। कार्यशाला में अतिरिक्त जिला कलेक्टर उम्मेदी लाल मीना ने कहा कि जिला कलेक्टर, एसपी, गणमान्य व्यक्तियों एवं पॉल्यूशन, उद्योग विभाग के संयुक्त तत्वाधान में समय-समय पर इस सिलसिले में कार्यशालाएं आयोजित की गई है। उपखंड प्रशासन द्वारा भी आमजन से समझाइश तथा वास्तविक आंकड़े रखे गए हैं। प्रदूषण नियंत्रण विभाग से पामुल कुमार ने बताया कि औद्योगिक इकाई को स्थापना के लिए राजस्थान राज्य प्रदूषण मंडल से अनापति प्रमाण पत्र जारी किया गया है। इसके निर्माण के बाद संचालन के लिए अलग से सहमति प्राप्त करनी

होगी, जिसका नवीनीकरण प्रत्येक 5 वर्ष बाद किया जाएगा। औद्योगिक इकाई का तीन माह के अंतराल पर प्रदूषण विभाग द्वारा नियमित निरीक्षण भी किया जाएगा, कमियां मिलने पर 15 दिन का नोटिस देकर इकाई को बंद करने तक की कार्रवाई की जा सकती है। बैठक में एसएसपी अरविंद बिश्नोई, सीओ रमेश माचरा, सीओ करण सिंह, टिब्बी उपखण्ड अधिकारी सत्यनारायण सुथार, उद्योग महाप्रबंधक श्रीमती आकाशदीप सिद्, जनप्रतिनिधि प्रदीप ऐरी, श्रीमती गुलाब सिंवर, टिब्बी बार संघ अध्यक्ष रोहिताश चाहर, पंचायत समिति सदस्य लक्ष्मण कुमार बेनीवाल, सुरेवाला सरपंच सूरजाराम पंवार, चंदूरवाली सरपंच हंसराज धारणियां, भामाशाह राधाकृष्ण पूनिया, मनोज कुमार डेलू, रामनारायण, शिवराज सिंह, ड्यून एथेनॉल औद्योगिक इकाई के प्रतिनिधि जेपी शर्मा, रूपेश गुप्ता, दिनेश सिंह, जितेंद्र कुमार मौजूद रहे।

बाल विवाह मुक्त भारत एवं लिंग आधारित हिंसा उन्मूलन हेतु जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

पाली (रॉयल पत्रिका)। महिला अधिकारिता विभाग के निर्देशन में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान एवं महिलाओं और बालिकाओं के विरुद्ध लिंग आधारित हिंसा समाप्ति हेतु मां नागणेचिया कंप्यूटर सेंटर, टैगोर नगर पाली में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम विभाग के उपनिदेशक के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ।

जिला हब एम्पावरमेंट ऑफ वूमेन की जेंडर स्पेशलिस्ट सुश्री राजश्री ने कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों एवं प्रतिभागियों को लिंग आधारित हिंसा की अवधारणा, उसके सामाजिक प्रभाव तथा रोकथाम के उपायों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शिक्षा, जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता इस समस्या के समाधान का सबसे महत्वपूर्ण आधार हैं। उन्होंने घरेलू हिंसा निरोधक अधिनियम 2005, कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न

निरोधक अधिनियम 2013 तथा महिला सुरक्षा संबंधी ऑनलाइन पोर्टलों के बारे में भी जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान सुश्री राजश्री ने सेंटर मैनेजर विक्रम सिंह तथा लगभग 20 बालिकाओं को बाल विवाह मुक्त भारत का संकल्प दिलाया तथा बाल विवाह रोकथाम में समाज की सक्रिय भूमिका पर जोर दिया। कार्यक्रम में विभाग द्वारा संचालित लाड़ो योजना, महिला सुरक्षा सलाह योजना, निःशुल्क परामर्श सेवाएँ एवं अन्य योजनाओं की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने बाल विवाह एवं लिंग आधारित हिंसा जैसी कुप्रथाओं को समाप्त करने के लिए सक्रिय सहयोग देने का संकल्प लिया। यह कार्यक्रम महिलाओं एवं बालिकाओं के अधिकारों की सुरक्षा और उनके सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक संपन्न

झुंझुनूं (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने संपर्क पोर्टल पर लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने स्तर पर नियमित रूप से शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। इस क्रम में उन्होंने अधिकारियों एवं अधीनस्थ कर्मचारियों को आवश्यक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने के लिए विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने बताया कि आगामी सप्ताह में वर्तमान सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर जिले में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों की पूर्व तैयारी तत्काल प्रभाव से शुरू करने के निर्देश सभी विभागों को दिए गए। इस अवसर पर 17 दिसंबर से 24 दिसंबर तक ग्रामीण सेवा शिविर के फॉलोअप कैंप आयोजित भी किए जाएंगे, जिनमें जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की

जाए। जिला कलेक्टर ने विभागीय निरीक्षणों को नियमित, प्रभावी एवं पारदर्शी रूप से संचालित करने के निर्देश दिए । उन्होंने शहरी क्षेत्र में घूम रहे निराश्रित पशुओं को गौशालाओं में भेजने हेतु आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। जलदाय विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि पेयजल पाइपलाइन बिछाने के बाद क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की समय पर मरम्मत करवाई जाए, जिससे आमजन को असुविधा न हो। बैठक में खाद्य एवं उर्वरक की उपलब्धता की भी समीक्षा की गई। इसके साथ ही उन्होंने ई-फाइलिंग की नियमित मॉनिटरिंग कर निर्धारित समयसीमा में निस्तारण सुनिश्चित करने तथा कार्यालय परिसर में साफ-सफाई और रखरखाव की व्यवस्था मजबूत करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर अजय कुमार आर्य, मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैलाश चंद्र शर्मा सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मोदी वर्ल्ड स्कूल, विज्डम सिटी में बेस्ट परफॉर्मर्स को किया सम्मानित

झुंझुनूं (रॉयल पत्रिका)। मोदी वर्ल्ड स्कूल, विज्डम सिटी सी.बी.एस.ई. में सोमवार को 01 दिसंबर 2025 को परम्परागत तरीके से कक्षा-1 से लेकर कक्षा-8 तक के विद्यार्थियों को नवम्बर माह में किए गए रचनात्मक, अनुशासनात्मक एवं सृजनात्मक कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर सभी अध्यापक--अध्यापिकाओं द्वारा सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त विद्यालय में नियमित उपस्थिति, व्यवहार, विद्यालय गणवेश, धारा--प्रवाह अंग्रेजी बोलना इत्यादि वर्गों में भी विद्यार्थियों को शानदार प्रदर्शन करने पर सम्मानित किया गया।

कक्षा प्रथम व द्वितीय में सान्वी, जीविका, भानू, कनिष्क, शिवांक, काव्या व गार्गी तथा कक्षा 3 से कक्षा 5 में ख्वाइश, भावेश,आहिल, प्रीतेन, हर्षित, कनक, भव्य, लविश, राघव, रेहान, आरव, हर्ष, रूबल, सूर्यांश व सार्थक तथा इसी के साथ कक्षा 6 से 8 तक में आदित्य, लोकेश, लव्य, सनुज,

अराध्या, प्रियांश, अर्जित, प्रतिष्ठा, यशस्वी, शौर्य, टीनू, गगन, विदिता, दक्ष, आयुष, पायल आदि का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा तथा सभी को मेरिट बैज लगाकर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि मोदी वर्ल्ड स्कूल, विज्डम सिटी में हर माह एकेडमिक्स के अतिरिक्त विद्यार्थियों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास हेतु इस तरह के आयोजन किए जाते हैं। स्कूल प्राचार्य डॉ. रविशंकर शर्मा ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन से विद्यार्थियों का उत्साह एवं उनमें प्रतिस्पर्धा बढ़ती है । हर महीने विद्यार्थियों में जबरदस्त उत्साह बना रहता है। हजारों विद्यार्थियों की संख्या में इस तरह का सम्मान पाकर विद्यार्थी गर्वानुभूति करते हैं। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास हेतु इस तरह के आयोजन आवश्यक हैं। कार्यक्रम में स्कूल उप-प्राचार्या सरोज सिंह, हेड-मिस्ट्रेस - उमा शर्मा, एडमिशन डायरेक्टर श्याम सुंदर शर्मा, प्रशासक कमलेश कुलहरि सहित सभी अध्यापक -अध्यापिकाएँ उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन अंग्रेजी अध्यापिका सुनिता जांगिड़ और जूनियर स्कूल कैप्टन चिन्मय ने किया।

एडीएम ने किया जिला अस्पताल का निरीक्षण

-मरीजों को बेहतर सुविधाएं व उपचार के दिए निर्देश

बारां (रॉयल पत्रिका)। अतिरिक्त जिला कलक्टर भंवरलाल जनागल ने बुधवार को शहीद राजमल मीणा राजकीय जिला अस्पताल का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल में डॉक्टरों एवं कार्मिकों की उपस्थिति, साफ-सफाई, व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन तथा रिकॉर्ड संधारण की विस्तृत समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान यह जानकारी मिली कि पिछले दिनों अस्पताल की एक सोनोग्राफी मशीन खराब हो गई थी, जिसके कारण मरीजों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। इस पर एडीएम जनागल ने मौके पर ही तकनीकी टीम को बुलवाकर मशीन का तुरंत निरीक्षण करवाया तथा समस्या का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि

मरीजों को किसी प्रकार की सेवा में बाधा नहीं आनी चाहिए और सभी मशीनें व उपकरण हमेशा क्रियाशील अवस्था में रहने चाहिए। उन्होंने अस्पताल परिसर की स्वच्छता व्यवस्था की भी जांच की तथा वार्डों, प्रतीक्षालय और लैब परिसर में सफाई की स्थिति का अवलोकन किया। डीएससी एवं अन्य महत्वपूर्ण रिकॉर्ड के संधारण की स्थिति का परीक्षण करते हुए एडीएम ने रिकॉर्ड को अद्यतन एवं व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं अस्पताल प्रशासन के प्रतिनिधि मौजूद रहे। एडीएम जनागल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अस्पताल में आने वाले प्रत्येक मरीज को समय पर और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने व्यवस्थाओं में सुधार के लिए आवश्यक कदम तुरंत उठाने को कहा।

आमिर खान की नई धमाकेदार जासूसी फिल्म 'हैप्पी पटेल' का एलान, लीड रोल में वीर दास-मोना सिंह आएंगे नजर

आमिर खान प्रोडक्शंस की अनोखी जासूसी फिल्म हैप्पी पटेल की घोषणा आख़िरकार हो ही गई है। यह फिल्म वीर दास के डायरेक्टोरियल डेब्यू को चिन्हित करती है, जिसमें वीर दास और मोना सिंह लीड रोल्स में नजर आएंगे। जैसे इसका टाइटल मज़ेदार है, वैसे ही मेकर्स ने फिल्म का अनाउंसमेंट वीडियो और भी मज़ेदार अंदाज में रिलीज़ किया है, जिसमें आमिर खान और वीर दास दिखाई दे रहे हैं। हैप्पी पटेल की घोषणा बिल्कुल हटके और बेहद मजेदार तरीके से की गई है। वीडियो में आमिर खान, वीर दास से पूछते नजर आते हैं कि आखिर वो फिल्म में एक्शन, रोमांस और यहां तक कि आइटम नंबर को किस अंदाज़ में दिखाने वाले हैं। आमिर को लगातार यह चिंता सताती दिखती है कि दर्शक इस सब पर कैसा रिस्पॉन्स देंगे, जबकि उसी समय वीडियो में दूसरे लोग फिल्म की जमकर तारीफ करते नजर आते हैं। उनकी बातचीत का यह मजेदार कंट्रास्ट पूरे अनाउंसमेंट को बेहद मनोरंजक बना देता है। इतना तो पक्का है कि एक बिल्कुल अलग तरह की सिनेमा आने वाली है। और सबसे खास बात ये है कि आमिर खान प्रोडक्शंस हमेशा हटकर और अनोखी कहानियाँ बड़े ही सलीके से पेश करता आया है। लगान, तारे ज़मीन पर, दंगल और सीक्रेट सुपरस्टार जैसी यादगार फिल्मों के बाद, यह फिल्म भी यूनिक सिनेमा दिखाने की एक और कोशिश है। दिलचस्प बात ये है कि इस बार वो मशहूर स्टैंड-अप कॉमेडियन वीर दास के साथ काम कर रहे हैं, जो न सिर्फ अपनी कॉमेडी स्पेशल्स के साथ दुनिया भर में परफॉर्म कर चुके हैं, बल्कि गो गोवा गॉन, बदमाश कंपनी और दिल्ली बेली जैसी फिल्मों में भी काम कर चुके हैं। यह फिल्म वीर दास का आमिर खान प्रोडक्शंस के साथ दिल्ली बेली के बाद दूसरा कोलैबोरेशन है। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी हैप्पी पटेल का निर्देशन वीर दास कर रहे हैं और यह फिल्म 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

अभिषेक बच्चन को हल्के में ना लेना!

रियल एस्टेट से लेकर खेल तक कमा रहे अरबों

अभिषेक बच्चन को भले ही उनकी एक्टिंग और फ्लॉप फिल्मों के लिए लोगों ने ताने मारे गए, पर उन्होंने ऐसा तगड़ा बिजनेस एम्पायर खड़ा किया है कि ताने मारने वालों को मिर्ची लग जाएगी। रियल एस्टेट से लेकर खेल तक, वह अरबों में कमा रहे हैं।अभिषेक बच्चन ने अपने करियर में खूब उतार-चढ़ाव देखे हैं। उन्होंने 2002 में 'रिफ्यूजी' जैसी फिल्म से शुरुआत की थी, जो बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही थी। और भी कुछ फिल्में अभिषेक ने कीं, जो फ्लॉप रहीं, पर उन्होंने हार नहीं मानी। सोशल मीडिया पर भी यूजर्स ने खूब निशाने पर लिया और यह कहकर मजाक उड़ाया कि वह फ्लॉप हैं और कुछ नहीं कर पाए हैं। लेकिन अभिषेक ने उन लोगों का मुंह अपनी काबिलियत और कमाल की बिजनेस स्किल्स से बंद कर दिया है।अभिषेक ने अपने स्मार्ट मूव्स से बिजनेस की दुनिया में ऐसी धाक जमाई है स्पोर्ट्स और रियल एस्टेट में इनवेस्ट करके करोड़ों का बिजनेस एम्पायर खड़ा कर लिया है।

मालती चाहर

के फिनाले से ठीक पहले मिड-वीक एविक्शन पर फैंस का गुस्सा

बिग बॉस 19 का आखिरी हफ्ता सबसे मुश्किल माना जाता है। हफ्ते के बीच में बाहर होना, ज़्यादा गुस्सा, स्ट्रैटेजी और गेम प्लान में आखिरी समय में बदलाव - बिग बॉस का फिनाले वीक आमतौर पर ऐसा ही होता है। लेटेस्ट वीकेंड का वार एपिसोड में, तान्या मित्तल के साथ झगड़े के बाद अशनूर कौर को जाने के लिए कहा गया। बिग बॉस सीजन-19, जो 7 दिसंबर को खत्म होने वाला है। शो के फैंस अपने पसंदीदा कंटेस्टेंट को मिस करेंगे। खबरें आ रही हैं कि मालती चाहर शो से एलिमिनेट हो गई हैं। उनका एलिमिनेशन रात के एपिसोड में दिखाया जा सकता है। गौरव खन्ना, फरहाना भट्ट, प्रणित मोरे, तान्या मित्तल और अमाल मलिक शो के पांच कन्फर्म फाइनलिस्ट हैं। यह देखना बाकी है कि बिग बॉस 19 कौन जीतेगा। वीकेंड का वार एपिसोड में, तान्या मित्तल के साथ झगड़े के बाद अशनूर कौर को जाने के लिए कहा गया। इसके बाद शहबाज बदेशा को वोट देकर शो से बाहर कर दिया गया, जिससे यह डबल एलिमिनेशन वीक बन गया। इससे शो में टॉप 6 कंटेस्टेंट बचे।

बॉलीवुड अभिनेता धर्मेंद्र की अस्थियां गंगा में विसर्जित की गई

बॉलीवुड के ही मैन धर्मेंद्र की अस्थियां बुधवार को यहां गंगा में विसर्जित की गई। उनके पारिवारिक पुरोहित ने यह जानकारी दी। पुरोहित ने बताया कि अस्थि विसर्जन कर्म से मीडिया और आम लोगों को पूरी तरह से दूर रखा गया था। धर्मेंद्र (89) का पिछले माह 24 नवंबर को निधन हो गया था और मुंबई में उनका अंतिम संस्कार किया गया था। हरकी पौड़ी पर धर्मेंद्र की अस्थियां विसर्जित की गईं। अस्थि विसर्जन के पूर्व के कर्मकांड निजी होटल में संपन्न कराए गए। क्षोत्रिय ने बताया कि इसके बाद सन्नी देओल के बेटे करण देओल और परिजन उनके साथ एक दोपहिया वाहन से हरकी पौड़ी पहुंचे और वहां अस्थि विसर्जन किया गया। पुरोहित ने बताया कि अस्थि विसर्जन संबंधी विधियां सन्नी देओल ही करना चाहते थे मगर उनके जाने पर भीड़ एकत्र होने की आशंका से धर्मेंद्र के पौत्र करण ने इन्हें पूरा किया। पुरोहित के मुताबिक अभिनेता सन्नी देओल और बॉबी देओल परिजनों के साथ मंगलवार को ही हरिद्वार पहुंच गए थे और इसी दिन अस्थि विसर्जन किया जाना था, लेकिन एक परिजन के समय से नहीं पहुंच पाने के कारण यह नहीं हो पाया।

जाह्नवी कपूर

ने मीडिया संस्कृति की आलोचना की कहा मेरी मां की मौत एक 'मीम' बन गई

अभिनेत्री जाह्नवी कपूर ने मीडिया की आलोचना करते हुए कहा कि उसने उनकी मां श्रीदेवी और दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र की मौत संबंधी खबरों को प्रसारित करते समय नैतिकता का ध्यान नहीं रखा गया। जाह्नवी ने एक कार्यक्रम में कहा कि मीडिया, विशेष रूप से सोशल मीडिया ने 'मानवीय नैतिकता को पूरी तरह से पटरी से उतारने में अकेले योगदान दिया है'। अभिनेत्री ने कहा, 'जब मैंने अपनी मां को खोया तो बहुत बुरा लगा। मुझे नहीं पता कि आप सब समझ सकते हैं कि किसी अपने को खोना और उसे मीम बनते देखना कैसा लगता है। मुझे नहीं पता कि इसे कैसे समझूं या समझाऊं, लेकिन अब यह और भी बुरा हो गया है।' जाह्नवी ने कहा कि वह अपनी मां और मशहूर अदाकारा श्रीदेवी के निधन के बारे में सार्वजनिक रूप से बात करने से बचती हैं, क्योंकि उन्हें डर है कि लोग सोचेंगे कि वह सुर्खियां बटोरने के लिए इसका इस्तेमाल कर रही हैं। जाह्नवी ने कहा, 'मानवीय नैतिकता चरमरा गई है' और यह 'निराशाजनक' है।

श्रद्धा कपूर

ने राहुल मोदी को हाथों से खिलाई जापानी डिश

श्रद्धा कपूर को हाल ही में राहुल मोदी के साथ देखा गया, जो कथित तौर पर उनके बॉयफ्रेंड हैं। दोनों एक फूड स्टॉल से जापानी डिश 'मोची' खाते हुए दिख रहे हैं। श्रद्धा खुद अपने हाथों से राहुल को इसका स्वाद चखाती हैं। उनका वीडियो वायरल हो रहा है। श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी का लेटेस्ट वीडियो सोशल मीडिया पर छाया हुआ है बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर और उनके कथित बॉयफ्रेंड राहुल मोदी के बीच एक प्यार भरे पल का वायरल हो रहा है। इस वीडियो में फैंस को उनकी केमिस्ट्री की प्यारी सी झलक मिल रही है। दोनों को मुंबई में बॉम्बे कॉफी फेस्टिवल में देखा गया, जहां खाने की शौकीन श्रद्धा ने एक स्टॉल पर 'जापानी मोची' का स्वाद चखा। उन्होंने इस डिश को राहुल को भी अपने हाथों से खिलाया। भीड़ के बावजूद दोनों बिना हिचकिचाए अपने इस पल को इंजॉय करते हुए नजर आए। इस वीडियो में देख सकते हैं कि श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी को अपने बीच पाकर फैंस काफी एक्साइटेड थे। वो जिस स्टॉल पर रुकी थीं, वहां काफी भीड़ इकट्ठा हो गई। वो और राहुल मोदी दोनों कॉफी इंजॉय कर रहे थे। फिर श्रद्धा ने 'जापानी मोची' का स्वाद चखा और वो इतना टेस्टी था कि वो हैरान रह गईं।

रश्मिका ने लॉन्च किया मोगली 2025 का ट्रेलर

साक्षी म्हाडोलकर बनी इंटरनेट सेंसेशन

मोगली (2025) का ट्रेलर आते ही सोशल मीडिया पर तूफान ला दिया। यूट्यूब पर यह तेज़ी से ट्रेंड करने लगा और लोगों ने इसे हाथों-हाथ उठा लिया। ट्रेलर को लॉन्च करने वाली रश्मिका मंदाना ने भी अपनी खुशियाँ खुलकर जाहिर कीं मोगली (2025) का ट्रेलर आते ही सोशल मीडिया पर तूफान ला दिया। यूट्यूब पर यह तेज़ी से ट्रेंड करने लगा और लोगों ने इसे हाथों-हाथ उठा लिया। ट्रेलर को लॉन्च करने वाली रश्मिका मंदाना ने भी अपनी खुशियाँ खुलकर जाहिर कीं– उन्होंने लिखा कि ट्रेलर 'बहुत-बहुत अच्छा' लग रहा है और पूरी टीम को 'बेस्टेस्ट लक' देते हुए ढेर सारे 'हग्स' भेजे। उनकी इस गर्मजोशी ने फिल्म की ओर लोगों का ध्यान और बढ़ा दिया। लेकिन इस ट्रेलर की असली सेंसेशन हैं–साक्षी म्हाडोलकर। पहली ही झलक में साक्षी ने जिस सहजता और आत्मविश्वास से खुद को पेश किया, उसने सबको हैरान कर दिया। उनका नैचुरल चार्म, खूबसूरत एक्सप्रेशन्स और इमोशनल डेप्थ तुरंत लोगों के दिल में उतर गया। इंडस्ट्री के लोग भी कह रहे हैं कि इतनी ईमानदार स्क्रीन प्रेजेंस किसी डेब्यूटेंट में कम ही देखने को मिलती है। सिर्फ थोड़े से फुटेज में साक्षी ने यह एहसास दिला दिया है कि वह आने वाले समय की बेहद मज़बूत कलाकार बन सकती हैं।

(साभार एजेंसी)

इंडिया-दक्षिण अफ्रीका:

भारत ने साउथ अफ्रीका को 359 रन का दिया लक्ष्य

कोहली और गायकवाड ने सेंचुरी लगाई, केएल राहुल की लगातार दूसरी फिफ्टी

रायपुर (एजेंसी)। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच दूसरा वनडे रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में खेला जा रहा है। भारतीय टीम ने वनडे में लगातार 20वां टॉस गंवाया। साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया है। टीम इंडिया ने 41 ओवर में 5 विकेट पर 358 रन बनाए थे। अफ्रीका को जीतने के लिए 369 रन बनाने थे। वॉशिंगटन सुंदर एक रन बनाकर आउट हुए। के राहुल ने शानदार अर्द्धशतक बनाया। विराट कोहली 102 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें लुंगी एनगिडी ने ऐडन मार्करम के हाथों कैच कराया। ऋतुराज गायकवाड (105 रन) को मार्को यानसन ने टोनी डी जॉर्जी के हाथों कैच कराया। यशस्वी जायसवाल 22 और रोहित शर्मा 14 रन बनाकर आउट हुए।

साउथ अफ्रीका से नांद्रे बर्गर और मार्को यानसन को 1-1 विकेट मिला। 38वें ओवर में विराट कोहली ने शतक पूरा किया। उन्होंने 90 बॉल पर शतक पूरा किया। उन्होंने मिडऑन पर बैकफुट पंच करके एक रन लिया और शतक पूरा किया। फिर अपने अंदाज में छलांग लगाई और रिंग चूमकर सेलिब्रेशन किया। कोहली ने वनडे करियर में 53वां शतक लगाया। उनके इंटरनेशनल क्रिकेट में 84 शतक हो चुके हैं। 36वें ओवर में भारत ने तीसरा विकेट गंवाया। यहां पर ऋतुराज गायकवाड 105 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें मार्को यानसन ने टोनी डी जॉर्जी के हाथों कैच कराया। गायकवाड वनडे में पहला शतक लगाने के बाद इमोशनल हो गए। उन्हें कोहली ने गले लगाया। इसी के साथ 195 रनों की पार्टनरशिप ब्रेक हुई। रोहित शर्मा ने भारत में 9 हजार रन पूरे कर लिए हैं। उनसे पहले सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड और विराट कोहली भारतीय पिच पर यह कारनामा कर चुके हैं। 5वें ओवर में भारत ने पहला विकेट गंवाया। यहां रोहित शर्मा 8 बॉल पर 14 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें नांद्रे बर्गर ने विकेटकीपर क्विंटन डी कॉक के हाथों कैच कराया। इससे पहले रोहित ने बर्गर की बॉल पर लगातार 3 चौके लगाए थे।

विजय हजारे ट्रॉफी 2025:

विराट कोहली विजय हजारे ट्रॉफी खेलने को तैयार, दिल्ली टीम को दी उपलब्धता की सूचना

नई दिल्ली, एजेंसी। विराट कोहली 50 ओवर के घरेलू टूर्नामेंट विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने दिल्ली टीम को अपनी उपलब्धता बता दी है। दिल्ली डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन ने इस बात की पुष्टि की है।

दिल्ली एवं जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव अशोक शर्मा ने मंगलवार (2 दिसंबर 2025) को जनसत्ता से इस बात की पुष्टि की। उन्होंने कहा, 'हां, यह सही है। उन्होंने अपनी उपलब्धता बताई है। अशोक शर्मा ने बताया, 'भारत बनाम साउथ अफ्रीका वनडे सीरीज के बाद वह इंग्लैंड लौट जाएंगे। विजय हजारे ट्रॉफी के लिए फिर भारत आएंगे। विजय हजारे ट्रॉफी 24 दिसंबर से 18 जनवरी तक होनी है। विजय हजारे ट्रॉफी में दिल्ली का अभियान 24 दिसंबर को बेंगलुरु में आंध्र के खिलाफ मैच से शुरू होगा। टूर्नामेंट में उसे कुल 6 मैच खेलने हैं। माना जा रहा है कि विराट कोहली दिल्ली के लिए सभी मैचों में उपलब्ध नहीं रह पाएंगे। भारत के लिए अब सिर्फ एक प्रारूप में खेलने वाले विराट कोहली अभी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय शृंखला में खेल रहे हैं। विराट कोहली फरवरी 2010 में सेना के खिलाफ खेलने के बाद पहली बार विजय हजारे ट्रॉफी में वापसी करेंगे। सैंतीस साल के विराट कोहली ने रांची में शृंखला के पहले मैच में अपना 52वां शतक बनाया। इससे पता चलता है कि वह इस साल की शुरुआत में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करने के बाद खेल के सिर्फ एक प्रारूप में खेलने के बावजूद लय में हैं। विराट कोहली ने बारबडोस में 2024 विश्व कप में भारत की जीत के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया था। जब कोहली मैदान पर होंगे तो प्रशंसकों के बड़ी संख्या में मैदान पर आने की उम्मीद है। इस साल की शुरुआत में कोहली एक रणजी ट्रॉफी मैच में आकर्षण का केंद्र थे जब उन्होंने 12 साल से अधिक समय में अपना पहला प्रथम श्रेणी मैच खेला था। तब विराट कोहली को खेलते हुए देखने के लिए 12000 से अधिक लोग आए थे। यह संख्या लंबे समय से किसी घरेलू मैच के लिए नहीं सुनी गई थी।

विराट कोहली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने की तैयारी के लिए रणजी ट्रॉफी में लौटे थे, लेकिन एक हैरान करने वाले फैसले में उन्होंने इंग्लैंड दौरे से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अनुबंधित क्रिकेटरों के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य कर दिया है, जब तक कि वह चोटिल नहीं हों या राष्ट्रीय टीम के लिए नहीं खेल रहे हों।

सेंथिलकुमार और अनाहत का शानदार प्रदर्शन, स्क्वाश इंडियन टूर चार के क्वार्टर फाइनल में

चेन्नई, एजेंसी। दुनिया के 46वें नंबर के खिलाड़ी सेंथिलकुमार ने प्री क्वार्टर फाइनल में श्रीलंका के रविंदु लाकसिरी को 11-7, 11-8, 11-7 से हराया, जबकि दुनिया की 29वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत ने चेक गणराज्य की तमारा होल्जबोरोवा को 11-7, 11-7, 11-7 से शिकस्त दी।

पुरुष राष्ट्रीय चैंपियन वेलावन सेंथिलकुमार और महिला राष्ट्रीय चैंपियन अनाहत सिंह ने शानदार प्रदर्शन किया। सेंथिलकुमार और अनाहत मंगलवार को आसान जीत के साथ एचसीएल स्क्वाश इंडियन टूर चार के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करने में सफल रहे। दुनिया के 46वें नंबर के खिलाड़ी सेंथिलकुमार ने प्री क्वार्टर फाइनल में श्रीलंका के रविंदु लाकसिरी को 11-7, 11-8, 11-7 से हराया, जबकि दुनिया की 29वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत ने चेक गणराज्य की तमारा होल्जबोरोवा को 11-7, 11-7, 11-7 से शिकस्त दी।

भारत के दोनों शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों को पहले दौर में बाई मिली थी। दुनिया की पूर्व 10वें नंबर की खिलाड़ी जोशना चिनप्पा, महिलाओं के वर्ग में छठी वरीय तन्वी खन्ना और पुरुषों के वर्ग के दूसरे वरीय वीर चोटरानी भी अंतिम आठ में जगह बनाने में सफल रहे।

टेनिस में वापसी करेंगी दिग्गज सेरेना विलियम्स? राज पर से हटाया पर्दा, कही यह बात

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संन्यास ले चुके किसी भी खिलाड़ी को वापसी करने के लिए सबसे पहले डोप परीक्षण के लिए पंजीकरण करना होता है। सेरेना ने जब ऐसा किया तो सोशल मीडिया पर कयासों का दौर चल उठा कि वह प्रोफेशनल टेनिस में वापसी करने जा रही हैं। अब खुद सेरेना ने इसका खंडन किया है।

सेरेना विलियम्स ने इन खबरों का खंडन किया है कि वह टेनिस में वापसी की तैयारी कर रही हैं। उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि वह वापस नहीं कर रही हैं। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) के प्रवक्ता ने कहा कि 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना ने खेल के ड्रग परीक्षण निकाय के साथ पंजीकरण कराया है। इसके बाद ही उनकी वापसी को लेकर अटकलें लगाई जाने लगी थी। संन्यास ले चुके किसी भी खिलाड़ी को वापसी करने के लिए सबसे पहले डोप परीक्षण के लिए पंजीकरण करना होता है। टेनिस जगत की महानतम खिलाड़ियों में से एक 44 वर्षीय सेरेना ने 2022 में अमेरिकी ओपन के बाद किसी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लिया है।मैं वापसी नहीं कर रही हूं।'

उनके एजेंट ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। अमेरिकी टेनिस संघ के प्रवक्ता ब्रेंडन मैकइंटायर ने एसोसिएटेड प्रेस को ईमेल किए गए एक बयान में कहा, 'हमें पता है कि सेरेना ने अंतरराष्ट्रीय पंजीकृत परीक्षण पूल में फिर से प्रवेश करने के लिए अंतरराष्ट्रीय टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी के पास आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी कर दी है।

मेंस जूनियर वर्ल्ड कप 2025:

भारत ने स्विट्जरलैंड को 5-0 से रौंदा

● क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम से होगा सामना

चेन्नई, एजेंसी। भारतीय टीम मेंस जूनियर वर्ल्ड कप 2025 के राउंड रॉबिन लीग स्टेज में अजेय रही। इस टीम ने मंगलवार को स्विट्जरलैंड के खिलाफ 5-0 से जीत दर्ज करते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जहां भारतीय टीम 5 दिसंबर को बेल्जियम से भिड़ेगी।

इससे पिछले मुकाबलों में भारत ने चिली को 7-0 से हराने के बाद ओमान के खिलाफ 17-0 से जीत दर्ज की थी। रोहित की कप्तानी और पीआर श्रीजेश की कोचिंग में भारतीय टीम ने मुकाबले के दूसरे मिनट में ही खाता खोला। बर्थडे बॉय मनमीत सिंह ने मेजबान टीम को बढ़त

दिला दी। उन्होंने 11वें मिनट में एक और शानदार फील्ड गोल करके लीड को दोगुना कर दिया। इसके बाद शारदा नंद तिवारी ने मुकाबले के 13वें मिनट में टीम का स्कोर 3-0 कर दिया। भारतीय टीम ऐसी ही शुरुआत चाहती थी। मदुरै इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम में भारतीय खिलाड़ियों ने खराब मौसम के बावजूद मैच देखने पहुंचे दर्शकों का दिल जीत लिया था। मुकाबले के 28वें मिनट अर्शदीप सिंह ने गोल दागते हुए भारत को 4-0 से आगे कर दिया। अर्शदीप ने इससे पहले ओमान के खिलाफ हैट्रिक लगाई थी। इस बीच गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह ने कुछ शानदार बचाव किए, जिसके चलते स्विट्जरलैंड की टीम अपना खाता नहीं खोल सकी। भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथे क्वार्टर में भी लय बनाए रखी।

शारदा नंद ने मुकाबले के 54वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर के जरिए अपना दूसरा गोल दागा। इसी के साथ भारत ने 5-0 से बढ़त हासिल कर ली। इस शानदार प्रदर्शन के लिए शारदा नंद को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

वैभव सूर्यवंशी का तूफान, 58 गेंदों में शतक, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में फिर मचाया कोहराम

नई दिल्ली, एजेंसी। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में बिहार के उप-कप्तान वैभव सूर्यवंशी का बल्ला आखिरकार पूरा गरजा. वैभव पर शुरुआती तीन मैचों में रन न आने से दबाव बढ़ रहा था. महाराष्ट्र के खिलाफ चौथे मुकाबले में इस युवा बल्लेबाज ने ऐसा धमाका किया कि सभी हैरान रह गए. सूर्यवंशी ने जितने चौके लगाए, उतने ही छक्के लगाकर ऐसा हाहाकार मचाया, जिसने विरोधी गेंदबाजों का पूरा प्लान ध्वस्त कर दिया.

वैभव सूर्यवंशी का तूफान

बिहार ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 176 रन बनाए, जिनमें से अकेले 108 रन वैभव सूर्यवंशी ने ठोक डाले. खास बात यह रही कि उन्होंने अपनी पारी की शुरुआत भले शांत तरीके से की हो, लेकिन जैसे-जैसे इनिंग आगे बढ़ी, उनका बल्ला तेजी से आग उगलने लगा. वैभव ने 61 गेंदों पर नाबाद 108 रनों की शानदार पारी खेली. उनकी पारी में 7 चौके और 7 छक्के शामिल रहे. इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 177 से ज्यादा का रहा. उन्होंने एक गगनचुंबी छक्के के साथ अपना शतक पूरा किया. यह पारी उनके आत्मविश्वास का बयान भी थी और उनके हुनर का साफ सबूत भी.

ओपनिंग में नहीं मिला साथ

बिहार की शुरुआत काफी डगमगाने वाली रही. पहले ओवर में ही ओपनिंग पार्टनर बिपिन सौरभ सस्ते में आउट हो गए. दूसरे विकेट पर भी साझेदारी लंबी नहीं चली. इसके बाद भी वैभव ने एक छोर को मजबूती से संभाले रखा. तीसरे विकेट पर आकाश राज के साथ उन्होंने तेज 50 से ज्यादा रनों की पार्टनरशिप की और टीम को मुश्किल से बाहर निकाला.

आकाश राज के आउट होने के बाद वैभव बिल्कुल अलग मोड में आ गए. गेंद को देखने के बाद ही मारने की क्लासिक स्टाइल में उन्होंने पहले हाफ सेंचुरी पूरी की, फिर आखिरी ओवरों में रफ्तार बढ़ाते हुए शतक तक पहुंच गए.

पिछले 3 मैचों के बाद की शानदार वापसी

टूर्नामेंट के पहले तीन मुकाबलों में वैभव सूर्यवंशी कुल मिलाकर केवल 32 रन ही बना सके थे. उनकी आलोचना भी हो रही थी, दबाव भी था, लेकिन उन्होंने मैदान में अपने खेल से सभी सवालों का जवाब दे दिया.

महाराष्ट्र के खिलाफ जमाया गया यह शतक सिर्फ मैच बदलने वाला नहीं था, बल्कि उनके सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के करियर का पहला शतक भी रहा.

एर्लिंग हालैंड ने बनाया अद्भुत रिकॉर्ड

प्रीमियर लीग के इतिहास में सबसे तेज 100 गोल करने वाले बने खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। मैनचेस्टर सिटी ने क्रेवेन कॉटेज में खेले गए मुकाबले में फुलहम को 5-4 से हरा दिया। इस जीत के साथ, सिटी ने इंग्लिश फुटबॉल में एक ही प्रतिद्वंद्वी (फुलहम) के खिलाफ लगातार 19वीं जीत हासिल करने का रिकॉर्ड बनाया। स्टार खिलाड़ी एर्लिंग हालैंड ने एक बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल की।

वह प्रीमियर लीग के इतिहास में सबसे तेज 100 गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने यह कारनामा सिर्फ 111 मैचों में किया और एलन शीयरर के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। उन्होंने एलन से 13 मैच कम में यह कारनामा कर दिखाया। एलम शियरर ने 124 मैच में यह उपलब्धि हासिल की थी।

कुछ ऐसा रहा मैच का हाल

सिटी के लिए हालैंड, रेइन्डर्स, फिल फोडेन (दो बार) और सैंडर बर्गे के एक ओन गोल की मदद से उन्होंने 5-1 की बड़ी बढ़त बना ली थी।

इसके बाद फुलहम ने वापसी की कोशिश की। इवोबी और चुकवुएजे ने गोल (दो बार) करके अंतर कम किया। फुलहम लगभग बराबरी पर पहुंचने ही

वाला था। लेकिन खेल खत्म होने से ठीक पहले ग्वार्डियोल ने गोल-लाइन से एक महत्वपूर्ण बचाव (क्लियरेंस) करके मैनचेस्टर सिटी की बढ़त को बनाए रखा और उन्हें पूरे तीन अंक दिलाए। इस जीत से सिटी 28 पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर बनी हुई है, जो लीडर आर्सेनल से दो पॉइंट पीछे है। वहीं, फुलहम 17 पॉइंट्स के साथ 15वें स्थान पर बरकरार है।

हालैंड ने अपने रिकॉर्ड को लेकर क्या कहा?

मैच के बाद हालैंड ने रिकॉर्ड हासिल करने और शीयरर को पीछे छोड़ने पर गर्व महसूस किया। उन्होंने कहा, 'यह गर्व का क्षण है, 100 गोल का क्लब एक बहुत बड़ी बात है। इसे इतनी जल्दी करना अविश्वसनीय है। मैं गर्वित हूं, मैं खुश हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'मैंने यह कई बार कहा है - सिटी के स्ट्राइकर को बहुत सारे गोल करने चाहिए। यह मेरा काम है और मैं यही करने की कोशिश करता हूं। मुझे हैट्रिक करनी चाहिए थी, मुझे कुछ मौके मिले थे। मुझे अभ्यास करने की जरूरत है।'

साउथ अफ्रीका के खिलाफ 9 दिसंबर से टी20 सीरीज, गिल की उपलब्धता पर होगी चयन समिति की निगाहें

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 9 दिसंबर से पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज शुरू होगी, जिसमें शुभमन गिल की फिटनेस और उपलब्धता पर सभी की निगाहें रहेंगी। बुधवार को अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली समिति रायपुर में मीटिंग करेगी, ताकि 15 सदस्यीय टीम तय की जा सके।

शुभमन गिल साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच में चौका लगाने के बाद चोटिल हुए थे। गर्दन में चोट के बाद गिल सीरीज का अगला मुकाबला नहीं खेल सके। इसके बाद उन्हें वनडे सीरीज से भी बाहर बैठना पड़ा। आईएएनएस को जानकारी मिली है कि गिल रिहैब के लिए मंगलवार को बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहुंच गए हैं। टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम 6 दिसंबर को एकजुट होगी, इसलिए चयनकर्ताओं को बुधवार को टीम चुननी होगी। फिलहाल, टी20 सीरीज में गिल के खेलने की संभावनाएं 50 प्रतिशत हैं।

एक सूत्र ने बताया, 'हो सकता है कि गिल बल्लेबाजी आजमाएं और देखें कि आगामी सीरीज में उन्हें शामिल करने का फैसला लेने से पहले वह फिटनेस को लेकर कैसा महसूस कर रहे हैं। अगर शुभमन गिल साउथ

अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में नहीं खेलते, तो अभिषेक शर्मा के साथ संजू सैमसन या यशस्वी जायसवाल बतौर सलामी बल्लेबाज नजर आ सकते हैं। संजू सैमसन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में सिर्फ दो मैच खेले, जिसमें एक बार बल्लेबाजी का मौका मिला। इस दौरान उन्होंने 'नंबर 3' पर बैटिंग की। उम्मीद की जा रही है कि इस टी20 सीरीज में सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को भी शामिल किया जा सकता है। पंड्या ने मंगलवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में पंजाब के खिलाफ 1 विकेट लेने के बाद नाबाद 77 रन बनाए हैं। पंड्या की शानदार पारी के दम पर बड़ौदा ने मुकाबला 7 विकेट से जीता। पंड्या को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज 9 दिसंबर से शुरू होगी।

पहला मैच कटक में खेला जाएगा, जिसके बाद 11 दिसंबर को न्यू चंडीगढ़ में सीरीज का दूसरा मुकाबला होगा। धर्मशाला में 14 दिसंबर को तीसरा मैच आयोजित होगा, जबकि 17 दिसंबर को लखनऊ सीरीज के चौथे मैच की मेजबानी करेगा। 19 दिसंबर को अहमदाबाद में सीरीज का अंतिम मुकाबला खेला जाना है।

एयर पॉल्यूशन पर संसद के बाहर विपक्ष का जोरदार प्रदर्शन

-फेक न्यूज पर सरकार ने जताई सख्ती

नई दिल्ली । संसद के शीतकालीन सत्र के चौथे दिन गुरुवार को दिल्ली के बढ़ते वायु प्रदूषण का मुद्दा जोर-शोर से उठा। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले ही विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर के मकर द्वार पर विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन ने न केवल राजनीतिक हलकों में बल्कि आम जनता के बीच भी गहरी चर्चा छेड़ दी।

एयर पॉल्यूशन पर विपक्ष का विरोध-

विरोध प्रदर्शन के दौरान कई विपक्षी सांसद गैस मास्क पहनकर पहुंचे। यह प्रतीकात्मक विरोध था, जिसके जरिए सांसदों ने यह दिखाने की कोशिश की कि राजधानी दिल्ली की हवा किस हद तक जहरीली हो चुकी है। प्रदर्शन के दौरान एक बैनर भी सामने आया, जिस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर लगी थी और उस पर लिखा था—"मौसम का मजा लीजिए।" विपक्ष का कहना है कि यह बैनर सरकार की कथित लापरवाही और जनता की सेहत के प्रति असंवेदनशील रवैये को उजागर करता है। विपक्षी सांसदों ने मांग की कि दिल्ली समेत अन्य बड़े शहरों में बढ़ते वायु प्रदूषण पर संसद में विस्तृत चर्चा हो। उनका कहना है कि प्रदूषण अब केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य का बड़ा संकट बन चुका है। सांस की बीमारियां, बच्चों और बुजुर्गों पर इसका असर और अस्पतालों पर बढ़ता दबाव—ये सब सरकार की प्राथमिकता में होने चाहिए।

सदन में संभावित एजेंडा-

सरकार की ओर से गुरुवार को संसद में कई अहम मुद्दों पर चर्चा की संभावना जताई गई। इसमें कर सुधार, एक्साइज संशोधन, परमाणु ऊर्जा, आर्थिक सुधार जैसे अहम विषय शामिल हैं। बुधवार को लोकसभा ने तंबाकू उत्पादों और उनके निर्माण पर एक्साइज ड्यूटी बढ़ाने से जुड़े केंद्रीय एक्साइज (संशोधन) विधेयक 2025 को चर्चा के बाद पारित किया था। सरकार का तर्क है कि तंबाकू पर ज्यादा टैक्स से स्वास्थ्य सुधार होगा और राजस्व भी बढ़ेगा। हालांकि विपक्ष का कहना है कि सरकार गंभीर जनसमस्याओं को नजरअंदाज कर केवल आर्थिक और विधायी एजेंडे पर ध्यान केंद्रित कर रही है। विपक्षी दलों का आरोप है कि प्रदूषण जैसे मुद्दे पर चर्चा से सरकार बच रही है, जबकि आम आदमी हर दिन जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर है।

फेक न्यूज और AI डीपफेक पर सरकार की चिंता-

इसी बीच केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में एक अहम बयान दिया। उन्होंने कहा कि फेक न्यूज और एआई द्वारा बनाए गए डीपफेक वीडियो लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा बनते जा रहे हैं। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि गलत सूचना न केवल समाज में भ्रम फैलाती है, बल्कि चुनावी प्रक्रिया, जनमत और संस्थाओं की विश्वसनीयता को भी नुकसान पहुंचाती है। उन्होंने बताया कि सरकार फर्जी सूचना और भ्रामक कंटेंट के खिलाफ सख्त कदम उठा रही है। इसके तहत एक नया नियम लागू किया गया है, जिसके अनुसार आपत्तिजनक या फेक कंटेंट को 36 घंटे के भीतर 'टेकडाउन' करना अनिवार्य होगा। मंत्री के अनुसार, संसदीय समिति की सिफारिशों के आधार पर इन नियमों को और मजबूत किया जाएगा।

फ्रीडम ऑफ स्पीच बनाम फर्जी सूचना-

अश्विनी वैष्णव ने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और लोकतंत्र की सुरक्षा के बीच संतुलन बनाए रखना चाहती है। उनका कहना था कि फ्रीडम ऑफ स्पीच लोकतंत्र की आत्मा है, लेकिन इसका दुरुपयोग कर झूठ और नफरत फैलाना किसी हाल में स्वीकार नहीं किया जा सकता। इसलिए सरकार ऐसी नीति बना रही है, जिसमें ईमानदार नागरिकों और पत्रकारों की आज़ादी सुरक्षित रहे, जबकि फर्जी कंटेंट फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई हो। एक तरफ विपक्ष प्रदूषण जैसे जमीनी मुद्दे पर संसद में चर्चा की मांग कर रहा है, तो दूसरी तरफ सरकार तकनीक, अर्थव्यवस्था और नियमन से जुड़े मसलों को प्राथमिकता दे रही है।

सावरकर मानहानि केस:

-पुणे कोर्ट ने राहुल गांधी को समन आदेश पर टिप्पणी से रोका

पुणे । पुणे की MP/MLA स्पेशल कोर्ट में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ वीर सावरकर को लेकर कथित टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले की सुनवाई बुधवार को हुई। इस दौरान कोर्ट ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राहुल गांधी उस समन आदेश पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकते, जिसे उन्होंने अब तक ऊपरी अदालत में चुनौती ही नहीं दी है। कोर्ट का यह रुख मामले में एक अहम कानूनी मोड़ के तौर पर देखा जा रहा है। स्पेशल जज अमोल एस शिंदे ने सुनवाई के दौरान कहा कि यदि राहुल गांधी को उनके खिलाफ जारी समन आदेश पर आपत्ति है, तो इसके लिए उचित कानूनी रास्ता अपनाना होगा। अदालत ने दो टूक कहा कि बिना समन आदेश को चुनौती दिए, उस पर सवाल उठाना या टिप्पणी करना न्यायिक प्रक्रिया के अनुकूल नहीं है। जज ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी आदेश से असहमति होने पर कानून में ऊपरी अदालत में अपील या चुनौती का प्रावधान मौजूद है, न कि उसी अदालत में उस आदेश पर टिप्पणियां करने का। राहुल गांधी की ओर से पेश हुए वकील मिलिंद पवार ने कोर्ट में एक अर्जी दाखिल कर 2023 में जारी समन आदेश पर सवाल उठाया। उन्होंने दलील दी कि शिकायतकर्ता सत्यकी सावरकर ने यह समन ठोस और पुख्ता सबूतों के बिना हासिल किया था। वकील का कहना था कि समन आदेश दबाव बनाकर और जल्दबाजी में लिया गया, जिससे आरोपी के अधिकारों का हनन हुआ है। राहुल गांधी के पक्ष ने यह भी संकेत दिया कि समन जारी करने में न्यायिक संतुलन का अभाव रहा। हालांकि, शिकायतकर्ता सत्यकी सावरकर की ओर से एडवोकेट संग्राम कोल्हटकर ने इन आरोपों का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कोर्ट को बताया कि समन जारी करने का आदेश कोर्ट के तत्कालीन जज ने सभी प्रस्तुत सबूतों और कानूनी पहलुओं की गहन जांच के बाद ही दिया था। उन्होंने यह भी कहा कि बचाव पक्ष द्वारा समन आदेश पर सवाल उठाना, वास्तव में न्यायालय की कार्यप्रणाली और निष्पक्षता पर संदेह जताने जैसा है, जो स्वीकार्य नहीं है। एडवोकेट कोल्हटकर ने दलील दी कि मानहानि का यह मामला गंभीर प्रकृति का है और इसमें दिए गए बयान समाज और इतिहास से जुड़े संवेदनशील मुद्दों को छूते हैं। ऐसे में कोर्ट द्वारा समन जारी किया जाना पूरी तरह से कानून के दायरे में और न्यायसंगत था। उन्होंने आग्रह किया कि आरोपी पक्ष को प्रक्रिया के अनुसार ही अपनी आपत्ति दर्ज करानी चाहिए। पूरे घटनाक्रम के दौरान कोर्ट ने यह संकेत दिया कि वह केवल कानूनी प्रक्रिया और नियमों के तहत ही आगे बढ़ेगी। अदालत ने साफ कर दिया कि किसी भी पुराने आदेश पर आपत्ति जताने के लिए सही मंच का चयन जरूरी है।

उत्तर और मध्य भारत में कड़ाके की ठंड:

-राजस्थान में 3.2°C, हिमाचल में माइनस तापमान; UP में कोहरे से फ्लाइट सेवा प्रभावित

नई दिल्ली । देश के कई हिस्सों में सर्दी ने अचानक जोर पकड़ लिया है। उत्तर भारत से लेकर मध्य भारत तक तापमान में तेज गिरावट दर्ज की जा रही है। राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में ठंड का असर साफ नजर आ रहा है। कई इलाकों में शीतलहर (कोल्डवेव) का अलर्ट जारी किया गया है, तो कहीं बर्फबारी और कोहरे ने जनजीवन को प्रभावित किया है।

राजस्थान में बढ़ती ठिठुरन-

राजस्थान में इस सीजन की अब तक की सबसे कड़ी सर्दी महसूस की जा रही है। गुरुवार सुबह सीकर के फतेहपुर और बीकानेर के लूणकरणसर में न्यूनतम तापमान 3.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह तापमान सामान्य से काफी नीचे है। सीकर, चूरू और झुंझुनूं जिलों में अन्य जिलों की तुलना में ठंड ज्यादा तेज है। सुबह-शाम ठंडी हवाओं ने लोगों को कंपकंपाने पर मजबूर कर दिया है। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों के लिए कोल्डवेव का अलर्ट जारी किया है, जिससे तापमान में और गिरावट की आशंका जताई जा रही है। ग्रामीण इलाकों में अलाव जलाए जा रहे हैं और लोग जरूरी कामों के अलावा घरों से कम निकल रहे हैं।

हिमाचल प्रदेश में पारा शून्य से नीचे-

पहाड़ी राज्यों में सर्दी अपने चरम की ओर बढ़ रही है। हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में तापमान शून्य से नीचे चला गया है। राज्य के 17 शहरों में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से कम रिकॉर्ड किया गया। लाहौल-स्पीति के ताबो में तापमान माइनस 9.8 डिग्री, कुकुमसेरी में माइनस 3.9 डिग्री और कल्पा में माइनस 1.5 डिग्री दर्ज हुआ। उत्तराखंड और हिमाचल के ऊंचे क्षेत्रों में 5 और 7 दिसंबर को पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) के प्रभाव से बर्फबारी और बारिश की संभावना जताई गई है। इससे पहाड़ों में ठंड और बढ़ेगी, साथ ही मैदानी इलाकों में भी सर्द हवाओं का असर देखने को मिलेगा।

मध्य प्रदेश में भी ठंड का असर-

मध्य प्रदेश में धीरे-धीरे सर्दी का असर तेज होता जा रहा है। मौसम विभाग का कहना है कि पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी और बाद में बर्फ पिघलने के कारण प्रदेश में ठंड और बढ़ेगी। आने वाले दिनों में तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट हो सकती है। गुरुवार को राज्य के 10 शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। रात और सुबह के समय ठंड ज्यादा महसूस की जा रही है।

उत्तर प्रदेश में कोहरा और उड़ानों पर असर-

उत्तर प्रदेश में भी सर्दी ने रफ्तार पकड़ ली है। कई शहरों में रात का तापमान सामान्य से नीचे चला गया। मुजफ्फरनगर प्रदेश का सबसे ठंडा शहर रहा, जहां न्यूनतम तापमान 7.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। ठंड के साथ-साथ कोहरे ने भी परेशानी बढ़ा दी है।

अमेरिका में F-16 फाइटर जेट क्रैश

-हादसे से पहले पायलट ने कूदकर बचाई जान

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी) । अमेरिका में गुरुवार को एक बड़ा सैन्य हादसा होते-होते टल गया, जब US एयरफोर्स का एक F-16 फाइटर जेट दुर्घटनाग्रस्त हो गया। राहत की बात यह रही कि हादसे से चंद सेकेंड पहले ही पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए इजेक्ट कर लिया और पैराशूट की मदद से सुरक्षित जमीन पर उतर आया। इस वजह से पायलट की जान बच गई। यह दुर्घटना भारतीय समय के मुताबिक रात करीब 12:30 बजे अमेरिका के दक्षिणी कैलिफोर्निया में स्थित ट्रॉना शहर के रेगिस्तानी इलाके में हुई। बताया गया है कि क्रैश हुआ विमान ट्रॉना एयरपोर्ट से लगभग तीन किलोमीटर दूर आकर गिरा। इस क्षेत्र में आबादी कम होने के कारण किसी आम नागरिक के हताहत होने की सूचना नहीं है। एयरपोर्ट प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक ट्रॉना और उसके आसपास का इलाका सैन्य अभ्यास के लिए जाना जाता है। यहां अक्सर मिलिट्री फाइटर जेट्स और अन्य सैन्य विमान उड़ान भरते रहते हैं। शुरुआती जानकारी के अनुसार यह F-16 विमान भी नियमित

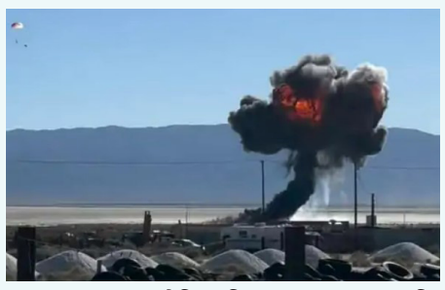

ट्रेनिंग मिशन पर था, हालांकि क्रैश की असल वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में दुर्घटना के भयावह दृश्य दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि फाइटर जेट तेज गति से नीचे की ओर गिरता है। इसी दौरान पायलट समय रहते खुद को विमान से बाहर निकाल लेता है और पैराशूट के सहारे सुरक्षित उतरता है। कुछ ही क्षण बाद विमान जमीन से टकराता है, जिसके साथ ही जोरदार धमाका होता है। धमाके के बाद घटनास्थल से काला धुआं उठता दिखता है, जो काफी ऊंचाई तक आसमान में फैल गया। हादसे की सूचना मिलते ही आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंचीं और इलाके को सुरक्षा घेरे में ले लिया गया। अमेरिकी वायुसेना ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा है कि पायलट की हालत स्थिर है और उसे चिकित्सकीय जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया है।

इलेक्टोरल ट्रस्ट से भाजपा को कांग्रेस से तीन गुना चंदा

-2024–25 में ₹959 करोड़ की रिकॉर्ड फंडिंग

नई दिल्ली । चुनावी चंदे को लेकर सामने आई ताज़ा रिपोर्ट ने देश की राजनीति में एक बार फिर फंडिंग के असंतुलन और पारदर्शिता पर बहस छेड़ दी है। चुनाव आयोग (EC) की वेबसाइट पर उपलब्ध इलेक्टोरल ट्रस्ट रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024–25 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को कांग्रेस की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक राजनीतिक चंदा प्राप्त हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, भाजपा को इलेक्टोरल ट्रस्टों के माध्यम से कुल ₹959 करोड़ का चंदा मिला। वहीं, कांग्रेस पार्टी को कुल ₹517 करोड़ का चंदा प्राप्त हुआ, जिसमें से ₹313 करोड़ इलेक्टोरल ट्रस्टों के जरिए आए। यह आंकड़े स्पष्ट तौर पर दिखाते हैं कि राजनीतिक फंडिंग में भाजपा की स्थिति अन्य दलों की तुलना में कहीं अधिक मजबूत बनी हुई है। अगर अन्य दलों की बात करें तो तृणमूल कांग्रेस (TMC) को बीते साल कुल ₹184.5 करोड़ का चंदा मिला, जिसमें से ₹153 करोड़ इलेक्टोरल ट्रस्टों से प्राप्त हुए। इससे यह भी जाहिर होता है कि राष्ट्रीय दलों के साथ-साथ कुछ क्षेत्रीय दल भी इलेक्टोरल ट्रस्टों पर काफी हद तक निर्भर हैं। इस रिपोर्ट का एक अहम पहलू यह भी है कि कांग्रेस की वार्षिक डोनेशन रिपोर्ट तो चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है, लेकिन

भाजपा की वार्षिक डोनेशन रिपोर्ट अभी तक अपलोड नहीं हुई है। ऐसे में पारदर्शिता को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है, खासकर तब जब भाजपा को सबसे अधिक चंदा मिलने की बात सामने आ रही हो। इलेक्टोरल ट्रस्ट दरअसल वे रजिस्टर्ड संस्थाएं होती हैं, जिनका गठन राजनीतिक दलों को चंदा देने के लिए किया जाता है। इन ट्रस्टों का उद्देश्य यह होता है कि राजनीतिक फंडिंग को एक पारदर्शी ढांचे के तहत संचालित किया जा सके। मौजूदा नियमों के अनुसार कंपनियां राजनीतिक दलों को सीधे चंदा नहीं देतीं, बल्कि इलेक्टोरल ट्रस्टों के माध्यम से ही यह फंड राजनीतिक पार्टियों तक पहुंचता है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि टाटा ग्रुप के ट्रस्ट ने 10 अलग-अलग राजनीतिक दलों को कुल ₹914 करोड़ का चंदा दिया, जिसमें सबसे बड़ा हिस्सा भाजपा को मिला। यह आंकड़ा यह दर्शाता है कि बड़े कॉर्पोरेट घरानों की फंडिंग का झुकाव किस तरफ अधिक है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इलेक्टोरल ट्रस्ट प्रणाली ने भले ही चंदे को कुछ हद तक औपचारिक और दर्ज करने योग्य बनाया हो, लेकिन चंदे के असमान बंटवारे ने चुनावी बराबरी (लेवल प्लेइंग फील्ड) को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विपक्षी दल लंबे समय से यह आरोप लगाते रहे हैं कि सत्ताधारी दल को कॉर्पोरेट फंडिंग में अनुचित बढ़त मिलती है।

कुल मिलाकर, यह रिपोर्ट न केवल राजनीतिक दलों को मिलने वाले धन के अंतर को उजागर करती है, बल्कि यह भी बताती है कि चुनावी लोकतंत्र में पारदर्शिता और बराबरी सुनिश्चित करने के लिए अभी और ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

भारत-पाकिस्तान झड़प में S-400 ने मारी बाज़ी

-पुतिन दौरे पर 9 बड़ी डील की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान के बीच हालिया तनाव के दौरान भारत की सैन्य ताक़त एक बार फिर दुनिया के सामने आई है। 7 मई की रात करीब 1:05 बजे भारतीय सशस्त्र बलों ने "ऑपरेशन सिंदूर" के तहत पाकिस्तान में सटीक और सुनियोजित कार्रवाई की। इस ऑपरेशन में भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान में मौजूद कुल 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर पूरी तरह तबाह कर दिया। भारतीय हमले के बाद पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई की कोशिश की, लेकिन भारत की वायु रक्षा व्यवस्था पहले से अलर्ट पर थी। खासतौर पर रूस से खरीदे गए S-400 एयर डिफेंस सिस्टम ने इस दौरान निर्णायक भूमिका निभाई। जैसे ही पाकिस्तानी लड़ाकू विमान भारतीय हवाई क्षेत्र या उसके आसपास पहुंचे, S-400 ने उन्हें अपने दायरे में लेते हुए मार गिराया। भारतीय वायुसेना

के अनुसार, इस सैन्य झड़प में कुल 6 पाकिस्तानी फाइटर जेट्स नष्ट हुए। रूसी तकनीक से लैस S-400 भारत के लिए एक गेमचेंजर साबित हुआ। इसकी लंबी रेंज, अत्यधिक सटीकता और मल्टी-टारगेट क्षमता ने पाकिस्तानी वायुसेना की रणनीति को पूरी तरह विफल कर दिया। इसी सफलता से उत्साहित होकर भारत अब रूस से और अधिक S-400 सिस्टम खरीदने के साथ-साथ इसके एडवांस्ड वर्जन S-500 पर भी विचार कर रहा है। इस दिशा में बड़ा संकेत आज मिल सकता है, क्योंकि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन चार साल बाद भारत यात्रा पर दिल्ली पहुंच रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, पुतिन के दौरे के दौरान दोनों देशों के बीच 9 बड़ी और अहम डील पर सहमति बन सकती है।

ट्रम्प ने 19 देशों के नागरिकों की अमेरिकी नागरिकता और ग्रीन कार्ड प्रक्रिया रोकी

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हाल ही में 19 देशों के नागरिकों के लिए अमेरिकी नागरिकता और ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया तत्काल प्रभाव से रोकने का आदेश दिया है। इस निर्णय का प्रमुख कारण पिछले महीने व्हाइट हाउस के पास नेशनल गार्ड्स पर अफगान शरणार्थी द्वारा की गई गोलीबारी घटना बताई जा रही है। ट्रम्प प्रशासन ने इसे सुरक्षा के दृष्टिकोण से एक आवश्यक कदम बताया है। इस आदेश के तहत अफगानिस्तान, म्यांमार, बुरुंडी, चाड, कांगो, क्यूबा, इक्वेटोरियल गिनी, इरीट्रिया, हैती, ईरान, लाओस, लीबिया, सिएरा लियोन, सोमालिया, सूडान, टोगो, तुर्कमेनिस्तान, वेनेजुएला और यमन के नागरिकों के लिए अमेरिकी इमिग्रेशन और नागरिकता प्रक्रिया रोक दी गई है। यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (USCIS) ने स्पष्ट किया है कि इन देशों के सभी नागरिकता, ग्रीन कार्ड और इमिग्रेशन से जुड़े आवेदन फिलहाल होल्ड पर रहेंगे और आगे कोई कार्रवाई तब तक नहीं होगी जब तक सुरक्षा जांच पूरी तरह से नहीं हो जाती। इसके साथ ही, आदेश में यह भी कहा गया है कि 20 जनवरी 2021 के बाद अमेरिका आने वाले इन देशों के सभी आवेदकों की सुरक्षा जांच और इंटरव्यू को दोबारा किया जाएगा। इस प्रक्रिया का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी संभावित खतरे को पहले ही रोका जा सके। ट्रम्प प्रशासन ने इससे पहले भी इन 19 देशों पर ट्रैवल बैन लगा रखा था, और अब इसे और सख्त कर दिया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह कदम अमेरिका की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने के इरादे से उठाया गया है, लेकिन साथ ही यह विवादास्पद भी माना जा रहा है। आलोचकों का कहना है कि इस फैसले से निर्दोष नागरिक प्रभावित होंगे और इससे अमेरिका की छवि पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। वहीं, ट्रम्प प्रशासन इसे आवश्यक सुरक्षा उपाय बताकर लागू कर रहा है।

क्रू संकट से जूझती इंडिगो, तीसरे दिन 170 से ज्यादा फ्लाइट्स रद्द;

-जयपुर-इंदौर सहित कई शहरों में हजारों यात्री परेशान

नई दिल्ली । भारत की सबसे बड़ी घरेलू एयरलाइन इंडिगो इन दिनों गंभीर क्रू संकट से जूझ रही है। लगातार तीसरे दिन पायलट और केबिन क्रू की कमी के कारण एयरलाइन का संचालन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। गुरुवार को देशभर में 170 से अधिक फ्लाइट्स रद्द या भारी देरी से संचालित हुईं, जिससे हजारों यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जयपुर, इंदौर, दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, बेंगलुरु, कोलकाता और अहमदाबाद सहित कई बड़े एयरपोर्ट्स पर यात्रियों का गुस्सा और अफरा-तफरी साफ नजर आई।

दिल्ली एयरपोर्ट पर हालात सबसे खराब-

गुरुवार सुबह दिल्ली से उड़ान भरने वाली 30 से ज्यादा इंडिगो फ्लाइट्स रद्द कर दी गईं। सुबह-सुबह एयरपोर्ट पहुंचने वाले यात्रियों को काउंटर पर यह जानकारी मिली कि उनकी उड़ान कैंसिल हो चुकी है। इससे टर्मिनल पर लंबी कतारें लग गईं। कई यात्रियों ने आरोप लगाया कि उन्हें समय पर SMS या ई-मेल के जरिए सूचना नहीं दी गई, जिसके कारण उन्हें एयरपोर्ट पर ही घंटों इंतजार करना पड़ा। कुछ यात्रियों ने तो पूरी रात एयरपोर्ट पर ही काटी, क्योंकि अगले उपलब्ध विकल्प कई घंटे या अगली सुबह के लिए मिले।

हैदराबाद, बेंगलुरु और मुंबई में भी भारी असर-

दिल्ली के अलावा हैदराबाद एयरपोर्ट पर आज लगभग 33 उड़ानों के रद्द होने की आशंका जताई गई है। मंगलवार और बुधवार को भी यहां बड़ी संख्या में फ्लाइट्स कैंसिल हो चुकी हैं। बेंगलुरु में सबसे ज्यादा 42 फ्लाइट्स, दिल्ली में 38, मुंबई से 33, अहमदाबाद में 25, इंदौर में 11, कोलकाता में 10 और सूरत से 8 उड़ानें रद्द की गईं। इसके अलावा सैकड़ों उड़ानें 2 से 6 घंटे तक देरी से संचालित हो रही हैं, जिससे यात्रियों की आगे की कनेक्टिंग फ्लाइट्स और जरूरी कार्यक्रम प्रभावित हो गए।

यात्रियों की मुश्किलें बढ़ीं-

फ्लाइट रद्द होने और देरी के कारण यात्रियों को होटल, भोजन और वैकल्पिक टिकट की व्यवस्था खुद करनी पड़ी। कई परिवारों, बुजुर्गों और बच्चों के साथ सफर कर रहे यात्रियों ने एयरलाइन की व्यवस्थाओं पर नाराजगी जताई। कुछ यात्रियों ने कहा कि एयरलाइन की ओर से कस्टमर केयर नंबर लगातार व्यस्त मिले और एयरपोर्ट स्टाफ भी स्पष्ट जानकारी नहीं दे पा रहा था। बिजनेस ट्रैवलर्स और मेडिकल इमरजेंसी में यात्रा कर रहे लोगों के लिए यह स्थिति और भी कठिन साबित हुई।

क्यों पैदा हुआ क्रू संकट?-

सूत्रों के मुताबिक इंडिगो में क्रू शेड्यूलिंग, लीव मैनेजमेंट और तेजी से बढ़ते ऑपरेशन के बीच संतुलन न बन पाने के कारण यह संकट गहराया है। इंडिगो रोजाना करीब 2,300 घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित करती है। इतने बड़े नेटवर्क के लिए पर्याप्त पायलट और केबिन क्रू की उपलब्धता बेहद जरूरी है। हाल के दिनों में बढ़े ट्रैवल डिमांड और कुछ क्रू के बीमार या अनुपलब्ध रहने से समस्या और गंभीर हो गई।

इंडिगो ने मांगी माफी-

इंडिगो की ओर से बुधवार को बयान जारी कर यात्रियों से माफी मांगी गई। एयरलाइन ने कहा कि वह स्थिति को सामान्य करने की कोशिश कर रही है, लेकिन शुक्रवार तक और भी उड़ानें रद्द होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। कंपनी ने यात्रियों से अपील की है कि वे एयरपोर्ट जाने से पहले अपनी फ्लाइट स्टेटस जरूर चेक करें और बदलाव की स्थिति में रीबुकिंग या रिफंड का विकल्प अपनाएं। इंडिगो में पैदा हुआ यह हालात पूरे एविएशन सेक्टर के लिए चेतावनी माना जा रहा है। त्योहारों और शादी-ब्याह के सीजन में ट्रैवल डिमांड काफी बढ़ जाती है। ऐसे में अगर एयरलाइंस समय रहते मानव संसाधन प्रबंधन पर ध्यान नहीं देंगी, तो यात्रियों का भरोसा कमजोर हो सकता है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,